# जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 32 दिनांक: 12-01-2022 बुधवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही दल-बदल का खेल शुरू हो गया है। भाजपा के कई विधायक पार्टी छोड़कर दूसरे दलों का दामन थाम रहे हैं तो दूसरे दलों के कई विधायक भी भाजपा के पाले में आ रहे हैं।

भारतीय नौसेना ने मंगलवार को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। लड़ाकू युद्धपोत आईएनएस विशाखापत्तनम से ये मिसाइल दागी गई। मिसाइल का निशाना बिल्कुल सटीक था। भारतीय नौसेना के सूत्रों ने ये जानकारी दी है।

## २१ हजार केस सामने आए , २३ की मौत, पाजिटिविटी रेट २५ पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश में कोरोना के 1,68,063 नये मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 3,58,75,790 हो गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक इनमें 4,461 मामले ओमिक्रोन वैरिएंट के भी हैं। इस बीच टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक 152.89 करोड़ डोज दी जा चुकी हैं। वहीं, दिल्ली में पिछले 24 घंटे के अंदर कोरोना के 21,259 नए मामले आए हैं। इस दौरान 23 लोगों की कोरोना के चलते मौत हुई है। राज्य में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 74,881 हो गई और पाजिटिविटी रेट 25.65 प्रतिशत है। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के अंदर 34,424 कोरोना के नए मामले और 22 मौतें हुईं हैं। राज्य में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 2 लाख 21 हजार 477 (2,21,477) हो गई है। ओमिक्रोन के मामलों की संख्या महाराष्ट्र में 1,281 है, जिसमें 499 डिस्चार्ज भी शामिल हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में पिछले 24 घंटों के अंदर कोरोना के 11,647 नए मामले दर्ज किए गए। इस दौरान कोरोना के चलते 2 लोगों की मौत हुई है। मुंबई में सक्रिय मामलों की संख्या 1,00,523 है।

केरल में 24 घंटे के अंदर कोरोना के 9,066 मामले सामने आए हैं। 2,064 लोग डिस्चार्ज हुए हैं और 19 लोगों की कोरोना के चलते मौत हुई है। राज्य में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 44,441 हो गई है। कोरोना से अबतक 50,053 ने अपनी जान गंवाई है। पंजाब में पिछले 24 घंटे के अंदर 4,593 मामले दर्ज किए गए हैं। इस दौरान महामारी में 9 लोगों की मृत्यु हुई है और 23,235 कोरोना के सक्रिय मामले हैं। प्रदेश में पाजिटिविटी रेट 18.64 प्रतिशत है। जम्मू कश्मीर में पिछले 24 घंटे के अंदर कोरोना के 1,148 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 640 मामले जम्मू और 508 मामले कश्मीर से हैं। प्रदेश में सक्रिय मामलों की संख्या 4,810 है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में 208 दिन के बाद उपचाराधीन मरीजों की संख्या सर्वाधिक 8,21,446 दर्ज की गई जबकि 277 और मरीजों की मौत होने से कोरोना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,84,213 हो गई। ओमिक्रोन के 4,461 मामलों में से 1,711 लोग अब तक स्वस्थ हो चुके हैं या विदेश चले गए हैं। महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के सर्वाधिक 1,281 मामले सामने आए हैं। इसके बाद राजस्थान में 645, दिल्ली में 546, कर्नाटक में 479 और केरल में 350 मामले दर्ज किए गए हैं।

मंत्रालय ने बताया कि संक्रमण के उपचाराधीन मरीज, संक्रमण के कुल मामलों का 2.29 प्रतिशत है जबकि कोरोना से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर घटकर 96.36 प्रतिशत रह गई है। पिछले 24 घंटों में कोरोना का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में 97,827 की वृद्धि हुई है। मंत्रालय के मुताबिक दैनिक संक्रमण दर 10.65 प्रतिशत दर्ज की गई जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 8.85 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में जिन 277 मरीजों की मौत हुई है उनमें से 166 केरल से और 17 दिल्ली से थे।

मुंबई में 92 वर्षीय मशहूर गायिका लता मंगेशकर हल्के लक्षणों के साथ कोरोना से संक्रमित पाई गई हैं। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी भतीजी रचना शाह ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 92 वर्षीय दिग्गज गायिका को दो दिन पहले दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के आइसीयू में भर्ती कराया गया था। वे कोरोना पाजिटिव हैं। उनकी उम्र को देखते हुए डाक्टरों ने आइसीयू में रखने की सलाह दी है। उनकी लगातार देखभाल की जरूरत है। उल्लेखनीय है 8 नवंबर 2019 में, लता मंगेशकर को सांस लेने में कठिनाई की शिकायत के बाद उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें निमोनिया होने की बात सामने आई थी। 28 दिनों के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। मुंबई में आर्थर रोड जेल के 30 कैदी कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। पिछले 10 दिनों में जमा किए नमूनों की जांच के बाद ये पाजिटिव पाए गए। संक्रमित मिले मरीजों को जेल में ही आइसोलेट कर दिया गया है।

## आईसीएमआर ने मोलनुपिराविर को कोरोना के उपचार में शामिल नहीं करने का फैसला किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की कोरोनावायरस पर काम करने वाली नेशनल टास्कफोर्स ने एंटीवायरल दवा मोलनुपिराविर को कोरोना वायरस संक्रमण के मेडिकल मैनेजमेंट प्रोटोकॉल में शामिल नहीं करने का फैसला किया है। आईसीएमआर के विशेषज्ञों ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया और कहा कि कोविड के इलाज में मोलनुपिराविर ज्यादा फायदेमंद नहीं है। इस संबंध में एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, 'कोविड-19 संबंधी राष्ट्रीय कार्यबल के सदस्य इस दवा को राष्ट्रीय उपचार दिशानिर्देशों में शामिल करने के पक्ष में नहीं हैं क्योंकि इससे कोरोना वायरस संक्रमण के इलाज में ज्यादा फायदा नहीं होता है और सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं।'

आईसीएमआर के प्रमुख डॉक्टर बलराम भार्गव ने पिछले हफ्ते कहा था कि ''हमें यह याद रखना होगा कि इस दवा से प्रमुख सुरक्षा चिंताएं जुड़ी हैं। यह भ्रूण विकार उत्पन्न कर सकती है और आनुवंशिक बदलाव से जुड़ी समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। यह मांसपेशियों को भी नुकसान पहुंचा सकती है।''

भार्गव ने कहा था कि दवा लेने के बाद तीन महीने तक पुरुष और महिलाओं- दोनों को गर्भ निरोधक उपाय अपनाने चाहिए। क्योंकि भ्रूण विकार संबंधी स्थिति के प्रभाव के बीच पैदा हुआ बच्चा समस्या से ग्रस्त हो सकता है।

मोलनुपिराविर को लेकर सुरक्षा संबंधी बड़ी चिंताओं के बारे में बात करते हुए डॉक्टर बलराम भार्गव ने बताया था कि विश्व स्वास्थ्य संगठन और ब्रिटेन ने भी इसे उपचार में शामिल नहीं किया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मोलनुपिराविर एक एंटीवायरल (विषाणु रोधी) दवा है जो कोरोना को अपनी संख्या बढ़ाने से रोकती है। कोविड रोधी गोली मोलनुपिराविर के आपात प्रयोग के लिए 28 दिसंबर को भारत के औषधि नियामक से मंजूरी मिल गई थी।

## आदित्यनाथ सरकार के श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने भाजपा का साथ छोड़ा

लखनऊ (ईएमएस)। योगी आदित्यनाथ सरकार के श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने भाजपा का साथ छोड़ दिया है। मौर्य के साथ ही बीजेपी के चार और विधायकों ने पार्टी छोड़ने का फ़ैसला किया है, जिनमें बृजेश प्रजापति, रोशन लाल, भगवती सागर, और विनय शाक्य शामिल हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी )के प्रभावी नेता और पांच बार के विधायक स्वामी प्रसाद मौर्य ने मायावती की बहुजन समाज पार्टी छोड़ने के बाद वर्ष 2017 में बीजेपी ज्वॉइन की थी। वह अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी का मुकाबला करने के लिए ओबीसी वोटर्स को आकर्षित करने की बीजेपी की योजना कें केंद्र बिंदु थे।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को लिखे पत्र में कहा, ठमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में श्रम एवं सेवायोजन व समन्वय मंत्री के रूप में विपरीत परिस्थितियों व विचारधारा में रहकर भी बहुत ही मनोयोग के साथ उत्तरदायित्व का निर्वहन किया है, किंतु दलितों, पिछड़ों, किसानों बेरोजगार नौजवानों एवं छोटे- लघु एवं मध्यम श्रेणी के व्यापारियों की घोर उपेक्षात्मक रवैये के कारण उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल से मैं इस्तीफा देता हूं।ठ उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'मेरे 'बाहर आने' का बीजेपी पर क्या असर पड़ेगा, यह 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद स्पष्ट होगा। 'स्वामी प्रसाद मौर्य के 'बाहर जाने' से इस धारणा की पुष्टि हुई है कि सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ उनकी नाराजगी को बीजेपी ने अनसुना किया। सूत्र बताते हैं कि दो माह पहले मौर्य ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से योगी आदित्यनाथ को लेकर शिकायत की थी लेकिन कथित तौर पर इसे अनदेखा कर दिया गया था।

उधर, सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने मौर्य को स्वागत करते हुए ट्वीट में कहा, ठसामाजिक न्याय और समता-समानता की लड़ाई लड़ने वाले लोकप्रिय नेता स्वामी प्रसाद मौर्य एवं उनके साथ आने वाले अन्य सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का सपा में ससम्मान हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन! सामाजिक न्याय का इंक़लाब होगा । बाइस में बदलाव होगा।ठ

बता दें कि 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले स्वामी प्रसाद मौर्य 2016 में मायावती की पार्टी बसपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। मौर्य को बीएसपी सुप्रीमो मायावती के करीबी नेताओं में गिना जाता था। स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी संघमित्रा मौर्य बदायूं से बीजेपी की सांसद हैं। मौर्य ओबीसी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य कई बार विधायक रह चुके हैं।

## गोवा में साथ चुनाव लड़ सकती हैं एनसीपी, टीएमसी और कांग्रेस- शरद पवार

- पांच राज्यों में से 3 राज्यों में एनसीपी चुनाव लड़ेगी

- पवार के दावों का कांग्रेस में किया खंडन

मुंबई, (ईएमएस)। आगामी 14 फरवरी को गोवा में होने वाले विधानसभा चुनावों में एनसीपी, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस साथ मिलकर चुनाव लड़ सकती है. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐसे संकेत दिए. पवार ने कहा कि उनकी पार्टी गोवा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के साथ बातचीत कर रही है. शरद पवार ने कहा कि हमने गोवा में साथ लड़ने पर चर्चा की है जिस पर अभी बातचीत जारी है. फिलहाल कोई फैसला नहीं लिया गया है. पवार ने कहा कि गोवा बदलाव चाहता है और भाजपा की सरकार को बदलने की जरूरत है. शरद पवार ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एनसीपी समाजवादी पार्टी और अन्य छोटी पार्टियों के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेगी. शरद पवार ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग बदलाव चाहते हैं और वह जल्द ही राज्य में बदलाव देखेंगे.

- पवार के दावों का कांग्रेस में किया खंडन

कांग्रेस ने गोवा में ममता बनर्जी नीत टीएमसी के साथ चुनाव लड़ने की खबरों का खंडन किया है. कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट करके अफवाहों पर विराम लगा दिया. केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट करके कहा कि गोवा विधानसभा चुनाव से पहले ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के साथ गोवा में गठबंधन की किसी भी तरह की कोई संभावना नहीं है. उन्होंने अपने ट्वीट में जोर दिया है कि हमें विश्वास है कि हम जल्द ही गोवा को प्रगति के रास्ते पर जल्द ही वापस लाएंगे.

- यूपी में सपा के साथ एनसीपी गठबंधन करेगी

शरद पवार ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ विधानसभा चुनाव लड़ने की बाद कही है. उनका कहना है कि इस बार उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी सरकार बनाने जा रही है. इसी दौरान उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्या के इस्तीफे से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि 13 विधायक समाजवादी पार्टी से जुड़ने वाले हैं. उन्होंने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह दावे से कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में इस बार बड़ा बदलाव होने जा रहा है. समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने जा रही है.

- पांच राज्यों में से 3 राज्यों में एनसीपी चुनाव लड़ेगी

शरद पवार ने यह बात स्पष्ट कर दी कि पांच राज्यों में से 3 राज्यों में एनसीपी चुनाव लड़ेगी. शरद पवार ने कहा कि समाजवादी पार्टी और अन्य छोटे दलों से उनकी यूपी में गठबंधन को लेकर बातचीत शुरू है. शरद पवार ने कहा कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वे जल्दी ही उत्तर प्रदेश का दौरा करने वाले हैं. शरद पवार ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वे उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और अन्य छोटे दलों से बातचीत करने के बाद अपनी पार्टी के उम्मीदवारों की सूची जारी करेंगे. गोवा के बारे में उन्होंने कहा कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के साथ चर्चा जारी है. वहां भी सब एक साथ मिलकर बीजेपी को सत्ता से बेदखल करने की कोशिश करेंगे. शिवसेना और एनसीपी में पहले ही सहमति बन चुकी है. शिवसेना की ओर से संजय राउत और एनसीपी की ओर से प्रफुल्ल पटेल बातचीत कर रहे हैं. गोवा में गठबंधन को लेकर दो दिनों में फैसला हो जाएगा. बीजेपी का विकल्प देने की कोशिश की जाएगी. इसके अलावा एनसीपी मणिपुर में भी 5 सीटों पर चुनाव लड़ेगी.

## हरिद्वार धर्म संसद में हेट स्पीच के मामले में सुप्रीम कोर्ट बुधवार को सुनवाई करेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। हरिद्वार धर्म संसद में मुस्लिमों के खिलाफ हेट स्पीच के मामले में सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई होगी। प्रधान न्यायाधीश एन। वी। रमना, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच सुनवाई करेगी। पटना हाईकोर्ट की पूर्व जज जस्टिस अंजना प्रकाश और पत्रकार कुर्बान अली की ओर से यह याचिका दाखिल की गई है। याचिका में मुस्लिमों के खिलाफ हेट स्पीच की एसआईटी से स्वतंत्र, विश्वसनीय और निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। साथ ही हेट स्पीच को लेकर सुप्रीम कोर्ट के तहसीन पूनावाला मामले में जारी आदेशों के पालन कराने की मांग की गई है। उन्होंने 17 और 19 दिसंबर, 2021 के बीच अलग-अलग दो कार्यक्रमों में दिए गए हेट स्पीच से संबंधित मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पहला- हरिद्वार में यति नरसिंहानंद द्वारा आयोजित और दूसरा दिल्ली में 'हिंदू युवा वाहिनी' द्वारा आयोजित कार्यक्रम।

हरिद्वार में 17-19 दिसंबर को धर्म संसद में हेट स्पीच के खिलाफ याचिका में कहा गया है कि 'ये केवल हेट स्पीच नहीं बल्कि पूरे समुदाय की हत्या के लिए एक खुला आह्वान के समान था। इस हेट स्पीच ने लाखों मुस्लिम नागरिकों के जीवन को खतरे में डाल दिया। हेट स्पीच हमारे देश की एकता और अखंडता के लिए एक गंभीर खतरा है, लेकिन करीब 3 हफ्ते बीत जाने के बावजूद पुलिस अधिकारियों द्वारा कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। पुलिस की निष्क्रियता न केवल हेट स्पीच देने की अनुमति देती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि पुलिस अधिकारी वास्तव में सांप्रदायिक हेट स्पीच के अपराधियों के साथ हाथ मिला रहे हैं।' याचिका में दिल्ली में हुए हिंदू युवा वाहिनी के कार्यक्रम की भी जांच की मांग की गई है।

## हाईकमान नहीं, बल्कि पंजाब के लोग तय करेंगे कि पंजाब का मुख्यमंत्री कौन होगा? - सिद्धू

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब के कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हाईकमान नहीं, बल्कि पंजाब के लोग तय करेंगे कि पंजाब का मुख्यमंत्री कौन होगा? अपने बयानों से लगातार पार्टी नेतृत्व को असहज करने वाले सिद्धू का यह बयान पंजाब में मतदान (14 फरवरी) के करीब एक माह पहले आया है और इससे पंजाब की कांग्रेस इकाई और वरिष्ठ नेताओं के बीच खींचतान बढ़ने की संभावना है।

पत्रकारों के सवाल के दौरान पूछे गए सवाल पर सिद्धू ने कहा, 'पंजाब के लोग तय करेंगे कि सीएम कौन होगा। आपसे यह किसने कह दिया कि हाईकमान (कांग्रेस) सीएम बनाएगा।' उन्होंने कहा, 'पंजाब के लोग विधायक चुनेंगे और वे ही चुनेंगे कि सीएम कौन होगा। ' ज्ञात रहे कि सिद्धू का यह बयान वरिष्ठ पार्टी नेता सुनील जाखड़ के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने (जाखड़ ने) कहा था कि कांग्रेस, विधानसभा चुनाव के लिए सीएम का चेहरा घोषित नहीं करेगी। पार्टी संयुक्त नेतृत्व के अंतर्गत चुनाव में उतरेगी।

गौरतलब है कि कोरोना मामलों में वृद्धि के बीच सिद्धू ने विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को अपनी पार्टी के डिजिटल प्रचार अभियान की शुरुआत की थी। इस मौके पर उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी, जनता से जुड़ने के लिए डिजिटल माध्यम के इस्तेमाल पर पहले से ही जोर देती रही है।उन्होंने कहा था, ''हमें उम्मीद है कि 15 जनवरी के बाद चीजें बदलेंगी और अगर हालात बिगड़ते हैं तो जिसे ठीक नहीं किया जा सकता, उसे भुगतना होगा। हमें इस परीक्षा से गुजरना होगा। जिंदगी को महत्व देना ही होगा।'' यह पूछे जाने पर कि पार्टी उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कब करेगी, सिद्धू ने कहा था कि शीघ्र ही इसकी घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा था ''हम इस पर काम कर रहे हैं, स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हो रही है। हम सावधानीपूर्वक सोच विचार कर इस पर निर्णय लेंगे।'' अपने ''पंजाबी मॉडल'' पर सिद्धू ने कहा कि यह कोई निजी या अपनी सेवा के लिए बनाया गया मॉडल नहीं है।

## भारत की टीम 223 पर सिमटी, साउथ अफ्रीका का भी एक विकेट गिरा

केपटाउन (ईएमएस)। केपटाउन में टेस्ट सीरीज के आखिरी क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म होने पर साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 1 विकेट पर 17 रन बना लिए हैं। मार्क्रम 8 और केशव महाराज 6 रन बनाकर नाबाद हैं। जसप्रीत बुमराह ने एल्गर को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई थी। भारत 206 रन आगे है। इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 223 का स्कोर बनाया था, जिसमें कोहली ने शानदार 79 रन रन की पारी खेली थी। कोहली का टेस्ट में यह 28वां अर्धशतक है।इसके अलावा पुजारा ने 43 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की ओर से रबाडा ने 4 विकेट लिए। मार्को जेनसेन ने 3 विकेट लिए। वहीं, केशव महाराज, ओलिवियर और एनगिडी को 1-1 विकेट मिला। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था।

## राजस्थान में ओमिक्रॉन ने ढहाया कहर, 92 फीसदी मामले सामने आ रहे

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में इनदिनों ओमिक्रॉन वेरिएंट कहर ढा रहा है। राजस्थान के चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि राजस्थान में 92 फीसदी ओमिक्रोन संक्रमित आ रहे हैं। मीणा ने कहा कि राजस्थान सरकार कोरोना की डबल डोज नहीं लगाने वालों को 1 फरवरी से दफ्तरों से लेकर सार्वजनिक स्थलों पर प्रवेश नहीं देगी और उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। मीणा ने कहा कि राजस्थान में कोरोना मरीजों के लिए बेड सहित अस्पतालों में सभी इंतजाम हैं। चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा राजस्थान सरकार दूसरी लहर की तरह अस्पतालों में कोविड मरीजों का मुफ्त में इलाज करेगी। राजस्थान में प्रीकॉशन डोज लगने की शुरुआत हो चुकी है।चिकत्सा मंत्री मीणा ने प्रीकॉशन डोज लगवा ली है। वहीं राज्य में टीनएजर्स का टीकाकरण भी तेजी गति चल रहा है।राजस्थान में कोरोना की तीसरी लहर में दूसरे लहर के पीक समय की तरह नए मामलों आंकड़ा सामने आने लग गया है।राजस्थान में सोमवार को 6095 नए मामले सामने आये थे।

राजस्थान में वर्तमान में कोरोना संक्रमण का सर्वाधिक प्रभाव राजधानी जयपुर और जोधपुर में है। जयपुर में सोमवार को 2749 नए केस आए थे।जयपुर में कोरोना संक्रमण की दर 15.16 फीसदी हो चुकी है।जयपुर में कोरोना से मौतों का सिलसिला भी शुरू हो गया है।सोमवार को जयपुर में कोरोना से दो पीड़ितों की मौत दर्ज की गई।जबकि जोधपुर में सोमवार को 601 नए केस आए थे।जयपुर और जोधपुर के अलावा प्रदेश के आठ अन्य जिलों में भी प्रतिदिन 100 से लेकर साढ़े तीन सौ तक नए कोरोना पीड़ित सामने आ रहे हैं। राजस्थान के दोनों बड़े शहरों के साथ ही अलवर, कोटा, उदयपुर, बाड़मेर, बीकानेर, सीकर, चित्तौड़गढ़ और अजमेर श्रेणी में शामिल हैं।इन शहरों में बड़ी तादाद में नए मामले सामने आए हैं।इनमें से सोमवार को अलवर में 375, कोटा में 325 और उदयपुर में 324 केस पाए आए हैं। जबकि बाड़मेर में 234, बीकानेर में 201, चित्तौड़गढ़ में 180, सीकर में 173 और अजमेर में 128 नए केस सामने आने से हड़कंप मचा हुआ है।

## भारत ने आईएनएस विशाखापत्तनम से किया ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की सैन्य ताकत में इजाफे की खबर आ रही है, मंगलवार को भारतीय नौसेना के आईएनएस विशाखापत्तनम युद्धपोत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया। डीआरडीओ के अधिकारी ने कहा, ठब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के उन्नत समुद्र से समुद्री संस्करण का आईएनएस विशाखापत्तनम से परीक्षण किया गया। मिसाइल ने निर्धारित लक्ष्य जहाज पर सटीक निशाना लगाया।ठ मिसाइल भारत और रूस के बीच एक संयुक्त उद्यम है जहां रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व करता है।

मिसाइल का परीक्षण आईएनएस विशाखापत्तनम से किया गया था जो हाल ही में शामिल भारतीय नौसेना का नवीनतम युद्धपोत है। सूत्रों ने कहा, मिसाइल के समुद्र से समुद्री संस्करण का अधिकतम सीमा पर परीक्षण किया गया और लक्ष्य जहाज को सटीक सटीकता के साथ मारा गया। ब्रह्मोस भारतीय नौसेना के युद्धपोतों की मुख्य हथियार प्रणाली है और इसे इसके लगभग सभी सतह प्लेटफार्मों पर तैनात किया गया है। पानी के नीचे का संस्करण भी विकसित किया जा रहा है जिसका उपयोग न केवल भारत की पनडुब्बियों द्वारा किया जाएगा, बल्कि मित्र देशों को निर्यात के लिए भी पेश किया जाएगा।

## चीन को लेकर बने नियमों में बदलाव कर सकती हैं मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत कुछ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर जांच को आसान बनाने की तैयारी में है। बताया जा रहा हैं कि चीन को लेकर बने नियमों ने निवेशकों के लिए अड़चन पैदा कर दी है।इस दूर करने के बारे में सरकार गंभीरता से सोच रही है।मोदी सरकार उन कंपनियों के सभी निवेश प्रस्तावों की जांच करती है, जो या तो उन देशों में स्थित हैं जो भारत के साथ भूमि सीमा साझा करते हैं या इनमें से किसी एक देश से निवेशक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार अब इस संसोधित करने के बारे में सोच रही है।

सरकार अब वैसी कंपनियों को भारत में निवेश की इजाजत देने के बारे में सोच रही है, जिसके निवेशक पड़ोसी देशों के हों। हालांकि, उनका शेयर 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। बता दें कि फिलहाल करीब 6 अरब डॉलर के प्रस्ताव अटके पड़े हैं।रिपोर्ट में कहा है कि इस मामले से जुड़े अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि अगले महीने तक प्रस्ताव को मंजूरी मिलेगी। चीन के साथ सीमा गतिरोध के बीच सरकार ने इस तरह के निवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था। चीन और हांगकांग सहित अन्य पड़ोसी देशों के प्रस्तावों के साथ इस कदम ने निवेश के अनुमोदन प्रक्रिया को धीमा कर दिया।

बता दें कि मोदी सरकार की सख्ती ने निवेश की मंजूरी देरी के अलावा निवेशकों के लिए सौदेबाजी को भी जटिल बना दिया था। नियमों में ढील देने से निवेशकों के पूल का विस्तार होगा। स्थानीय कंपनियां तेजी से बड़े वैश्विक निवेशकों की ओर रुख करती हैं ताकि वे अपने विकास को फॉरेन फंड की मदद से विस्तार कर सकें। नवंबर 2021 तक 100 से अधिक प्रस्तावों को सरकार से मंजूरी का इंतजार है, जिनमें से लगभग एक चौथाई एक करोड़ डॉलर से अधिक के हैं।

## हिंदुत्व के नाम पर देश में साम्प्रदायिकता का जहर घोला जा रहा है : दिग्विजय सिंह -

:: हिन्दू और हिंदुत्व विषय पर परिसंवाद ::

इन्दौर (ईएमएस)। सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि हिन्दू धर्म न कभी खतरे में था और न कभी खतरे में रहेगा। देश में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सारे मुख्यमंत्री हिन्दू हैं उसके बावजूद भी यदि हिन्दू धर्म आज खतरे में है तो उसके लिए हिंदुत्व जिम्मेदार है।

दिग्विजय सिंह स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. द्वारा हिन्दू और हिंदुत्व विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने कहा कि हिन्दुस्तान में वर्षों तक मुस्लिमों और ब्रिटिशों का राज रहा और भी कई धर्म आए लेकिन सनातनी हिन्दू धर्म पर कभी खतरा नहीं आया। आज हिंदुत्व के नाम पर देशवासियों का रक्तचाप बढ़या जा रहा है। हिंदुत्व का एकमात्र लक्ष्य हो गया है कि समाज में किस तरह कटुता और धर्मान्धता फैलाई जाए। आज राजधर्म की जरूरत है। गुजरात में दंगों के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने नरेन्द्र मोदी को राजधर्म निभाने की सलाह दी थी, उस सलाह पर अमल किया होता तो देश के हालात आज कुछ और होते।

पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि विनायक दामोदर सावरकर ने 1923 में लिखी अपनी पुस्तक में जिक्र किया था कि हिंदुत्व का हिन्दू धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। पिछले दिनों जब मैंने ये बात कही तो मुझे ट्रोल किया गया, आज मैं इस कार्यक्रम में यह पुस्तक लेकर हाज़िर हुआ हूँ। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व को राजनैतिक हथियार के रूप में उपयोग किया जा रहा है और मनमानी थोपी जा रही है जबकि धर्म आस्था का प्रश्न है। सभी धर्मावलंबियों की अपने-अपने धर्मों में आस्था है। सभी धर्मों के रास्ते अलग-अलग हैं लेकिन ईश्वर एक ही है। सर्व-धर्म समभाव भारत की आत्मा है यह हमारा इतिहास है यही संस्कृति और संस्कार भी है।

कांग्रेस सांसद सिंह ने कहा कि देश में ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ करने का क्रम चल रहा है। उन्होंने बताया कि श्यामाचरण मुखर्जी ने पंडित जवाहर लाल नेहरु की कैबिनेट में रहते हुए कश्मीर में धारा 370 लागू करने वाले फैसले का समर्थन किया था। इस फैसले में पं. मुखर्जी की सहमति थी। उन्होंने बताया कि आजादी से पहले हिन्दू महासभा, आर.एस.एस. के नेता गुरुजी गोलवलकर, डॉ. हेडगेवार, विनायक दामोदर सावरकर आदि ने हिन्दू समाज की अगुवाई की और मोहम्मद अली जिन्ना ने मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व किया। इन लोगों ने आजादी की लड़ाई में कभी भी महात्मा गांधी का साथ नहीं दिया बल्कि ये लोग ब्रिटिश हुकूमत के साथ चलते रहे।

### कार्टून कोना

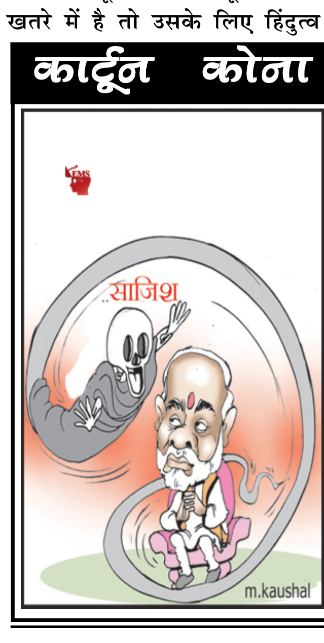


## बारिश-ओलों ने बढ़ाई ठिठुरन

-हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ में शीत लहर और घनी धुंध

-हिमाचल में बर्फबारी से ठप हैं 2 नेशनल हाईवे समेत 134 सड़कें बिजली के 800 ट्रांसफार्मर भी बंद

-सीजन में पहली बार भोपाल से ठंडा इंदौर, 10 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट

नईदिल्ली/भोपाल/रायपुर। मप्र, रायपुर सहित देशभर में शीतलहर का कोप चरम पर है। बारिश और ओलों ने ठिठुरन बढ़ा दी है। उधर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में आने वाले 5 दिनों तक शीत लहर चलने की संभावना है, जिससे ठिठुरन बढ़ेगी। मंगलवार को हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में घनी धुंध छाई। पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानों में बारिश के बाद पूरे उत्तर भारत में घने कोहरे की चादर बिछ गई है। हिमाचल के कुल्लू और लाहौल स्पिति में भारी बर्फबारी के बाद बर्फ जमने से 134 सड़कें बंद हैं तो बिजली भी ठप है। मौसम साफ होते ही घाटी में बंद पड़ी बिजली सप्लाई और यातायात व्यवस्था को बहाल करने का काम शुरू हो गया है।

मप्र में बारिश और ओलों के बाद ठंड ने फिर जोर पकड़ा है। सीजन में पहली बार इंदौर में रात का पारा भोपाल से नीचे आ गया। भोपाल में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। इंदौर में यह 8 डिग्री पर दर्ज हुआ। प्रदेश के कई इलाकों में सुबह हल्की बूंदाबांदी और धुंध रही। अगले कुछ घंटे में रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, अमरकंटक, डिंडोरी, सिवनी, बालाघाट और मंडला में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।

बादल हटते ही यहां ठंड का जोर

बादलों के हटते ही भोपाल, धार, गुना, ग्वालियर, इंदौर, खरगोन, रायसेन, राजगढ़, रतलाम, शाजापुर, उज्जैन, सागर और सिवनी में ठंड ने ज्यादा जोर पकड़ा है। यहां रात का पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया। वहीं प्रदेश में बंगाल की खड़ी से नमी आने के कारण बुंदेलखंड, बघेलखंड और महाकौशल में बादल और हल्की बारिश हो रही है। इस कारण यहां रात के पारे में ज्यादा गिरावट नहीं आई है। छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, खजुराहो, मंडला, नरसिंहपुर, रीवा, सतना, सीधी, टीकमगढ़, उमरिया, बैतूल, होशंगाबाद और पचमढ़ी में पारा 11 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रिकॉर्ड हुआ।

छत्तीसगढ़ में गिरे ओले

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में मंगलवार सुबह से ही अच्छी बारिश हो रही है। कुछ इलाकों में ओले भी गिरे हैं। साथ ही कई हिस्सों में देर रात से ही बारिश शुरू हो गई थी, जिसके कारण जन जीवन भी प्रभावित है। परेशान करने वाली बात ये है कि बेमौसम हुई बारिश ने किसानों के लिए परेशानी खड़ी कर दी है।

## आयकर रिटर्न फाइल करने की अंतिम तिथि 15 मार्च तक बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने आयकर रिटर्न फाइल करने की अंतिम तिथि 15 मार्च तक बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय के रेवेन्यू डिपार्टमेंट की ओर से जारी नोटिफिकेशन में यह जानकारी दी गई है। इसके अनुसार, कोरोनावायरस की स्थिति के कारण टैक्सपेयर्स को हो रही परेशानियों को देखते हुए तारीख को बढ़ाया गया है। नोटिफिकेशन में यह भी कहा गया है कि इनकम टैक्स एक्ट 1961 के प्रावधानों के तहत विभिन्न ऑडिट रिपोर्टों की ई-फाइलिंग के दौरान आ रही समस्याओं के कारण भी डेडलाइन बढ़ाई गई है। टैक्सपेयर्स अब 15 मार्च 2022 तक आयकर रिटर्न फाइल कर सकेंगे। सरकार का यह फैसला चौकाने वाला है। पिछले साल दिसंबर माह के आखिर में सरकार ने कहा था कि आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है और इसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2021 ही है। उन्होंने बताया था कि इस बार भरे गए रिटर्न की संख्या बीते वर्ष के मुकाबले अधिक है।

# जन हितैषी

## चूक का सच

पंजाब में पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व जज की अध्यक्षता में कमेटी बनाई है। केस की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से जो कारण बताओ नोटिस डीजी और पंजाब के चीफ सेक्रेटरी को भेजा गया था। अब तक केंद्र सरकार की ओर से तय समिति की ओर से कोई सुनवाई नहीं की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि यह बात सही है कि सुरक्षा में चूक हुई है। खुद पंजाब सरकार ने इस बात को स्वीकार किया है। लेकिन सवाल यह है कि यदि जांच कमेटी गठत की जाए तो वह क्या करेगी। बता दें कि 5 जनवरी को प्रधानमंत्री का काफिला 15 से 20 मिनट तक इसलिए रुका रहा कि किसान आंदोलनकारियों ने रास्ता रोक रखा था। आखिरकार उन्हें वापस लौटना पड़ा। पंजाब के फिरोजपुर में उनका तय कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। यह निस्संदेह प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर बड़ी चूक है। हालांकि प्रधानमंत्री के उस सड़क से होकर गुजरने की सूचना पंजाब पुलिस को पहले ही दे दी गई थी, फिर भी अगर किसान आंदोलनकारियों को वहां से नहीं हटाया जा सका, तो इससे पुलिस की भारी लापरवाही जाहिर होती है। हुआ यह था कि प्रधानमंत्री को बठिंडा से फिरोजपुर के हुसैनीवाला राष्ट्रीय शहीद स्मारक जाना था। यह यात्रा पहले उन्हें हेलीकॉप्टर से करनी थी, मगर मौसम खराब होने और दृश्यता कम होने के कारण हेलीकॉप्टर के बजाय उन्हें सड़क मार्ग से ले जाने का आकस्मिक कार्यक्रम तय कर दिया गया। उन्हें बठिंडा से फिरोजपुर तक पहुंचने में दो घंटे लगने थे। इसके बारे में पंजाब पुलिस को सूचित कर दिया गया। यों पहले से वहां की पुलिस को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की जानकारी दे दी गई थी, जिसके अनुसार उसे सड़क पर सुरक्षा व्यवस्था रखनी थी, मगर वह नहीं की गई। आमतौर पर प्रधानमंत्री के दौरों के वक्त पहले से सड़कों के किनारे पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए जाते हैं। इसलिए इस घटना को लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। इस घटना को भाजपा साजिश करार दे रही है। खुद प्रधानमंत्री ने भी पंजाब के मुख्यमंत्री को आड़े हाथों लेते हुए संदेश लिखा। यह समझ से परे है कि पंजाब पुलिस और खुफिया विभाग को उस रास्ते की स्थिति की जानकारी कैसे नहीं थी, जिससे होकर प्रधानमंत्री का काफिला गुजरना था। अगर उस सड़क पर किसान पहले से धरना दे रहे थे, तो उन्हें हटाया क्यों नहीं गया। क्या उन्हें वहां से हटाना इतना मुश्किल काम था। अगर मुश्किल काम था, तो प्रधानमंत्री के काफिले की सुरक्षा संभाल रहे कर्मियों को इसकी सूचना समय रहते क्यों नहीं दी गई, ताकि दूसरा कोई सुरक्षित रास्ता चुना जा सके। अगर किसान वहां पहले से मौजूद नहीं थे, तो फिर उन्हें अचानक इसकी सूचना कैसे मिल गई कि प्रधानमंत्री उधर से होकर गुजरने वाले हैं और वे इतने कम समय में इतनी बड़ी तादाद में जमा कैसे हो गए। पंजाब पुलिस का किसान आंदोलनकारियों के प्रति नरम रवैया समझ में आता है, मगर प्रधानमंत्री की सुरक्षा को ताक पर रख यह नरमी बरतना किसी भी रूप में उचित नहीं कहा जा सकता। प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर काफी सख्त नियम-कायदे हैं। किसी राज्य में बेशक किसी भी दल की सरकार हो, पर वह प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरत सकती। हालांकि प्रधानमंत्री के सुरक्षा घेरे में शामिल अधिकारियों को पल-पल की सूचनाएं मिलती रहती हैं और वे अपने दम पर सुरक्षा के लिए पर्याप्त होते हैं, पर वे भी बिना राज्य पुलिस की मदद के आगे नहीं बढ़ सकते। इस मामले में सरकारों के दलगत या वैचारिक आग्रह आड़े नहीं आने चाहिए। इसलिए यह ज्यादा गंभीर मामला माना जा रहा है कि खुफिया सूचनाएं कैसे प्रधानमंत्री के सुरक्षा दस्ते को ठीक से नहीं पहुंचाई जा पाईं, जिससे यह व्यवधान पैदा हो गया। बेशक किसानों को अपनी आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार है और अब तक उनके आंदोलन शांतिपूर्ण ही रहे हैं, पर इस आधार पर प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ नहीं किया जा सकता।

## कोविड काल में कोरोना गाइड लाइन के साथ चुनाव घोषणा

देश के हर कोने से फिर से कोरोना बढ़ने की खबर आ रही है, इस कोविड काल में मुख्य चुनाव आयुक्त सुषोल चंद्रा ने कोविड गाइड पालना के साथ पंजाब, मणिपुर, गोवा, उतराखंड एवं उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव 7 चरणों में होने की घोषणा कर दी। जहां उत्तर प्रदेश की कुल 403 विधान सभा सीटों में से 14 जनवरी नामांकन के साथ 10 फरवरी को 58 सीटों के लिये प्रथम चरण, 21 जनवरी को नामांकन के साथ 55 सीटों के लिये 14 फरवरी को दूसरे चरण, 25 जनवरी को नामांकन के साथ 59 सीटों के लिये 20 फरवरी को तीसरे चरण, 27 जनवरी नामांकन के साथ 60 सीटों के लिये 23 फरवरी को चौथे चरण, 1 फरवरी नामांकन के साथ 60 सीटों के लिये 27 फरवरी को पांचवें चरण, 4 फरवरी नामांकन के साथ 57 सीटों के लिये 3 मार्च को छठे चरण एवं 10 फरवरी नामांकन के साथ 54 सीटों के लिये 7 मार्च को सातवें चरण तथा मणिपुर राज्य की 60 सीटों के लिये 27 फरवरी , 3 मार्च को दो चरणों में, उतराखंड की 70, पंजाब की 117 एवं गोवा की 40 सीटों के लिये 14 फरवरी को चुनाव होने की घोषणा की। इस प्रक्रिया में मुख्य चुनाव आयुक्त ने कोविड काल को देखते हुये पहली बार 14 जनवरी तक चुनाव रैली, पद यात्रा, रथ यात्रा, साइकिल यात्रा, सड़क,नुक्कड़ आदि पर रैली आयोजन करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने एवं चुनाव उपरान्त विजय जुलूस पर पाबंदी के साथ 15 जनवरी को फिर से समीक्षा किये जाने की बात करते हुये हर एक से चुनाव दौरान कोरोना गाइड पालना के साथ डिजिटल चुनाव प्रचार करने की सलाह दी। चुनाव दौरान कोरोना का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, इसके लिये चुनाव आयुक्त ने सभी पोलिंग बुथों को सैनेटाइज करने, डबल वैक्सीनेट कर्मचरियों को बुस्टर डोज लगाने के साथ चुनाव डयूटी पर लगाने एवं हर बुथ पर माक्स, ग्लॉब्स, सैनेटाइजर उपलबध कराने की व्यवस्था किये जाने की बात की। साथ ही कोरोना संक्रमितों के लिये पोस्टल बैलेट से मतदान में भाग लेने की पहली बार व्यवस्था की जा रही है। इस तरह चुनाव आयुक्त ने कोविड काल में चुनाव दौरान कोरोना गाइड लाइन की चर्चा कर जागरूकता का परिचय देते हुये चुनाव घोषणा का शखनाद किया। जिसका सभी राजनीतिक दलों ने स्वागत किया।

कोविड काल में चुनाव घोषणा का स्वागत करते हुए कुछ ने इस काल में चुनाव टालने की सलाह भी दी । वासपा प्रमुख मायावती ने चुनाव आचार संहिता का पालन करने की वकालत करते हुये चुनाव घोषणा का स्वागत किया। सपा प्रमुख अखिलेष यादव ने ने चुनाव प्रचार में सोषल मीडिया की भागीदारी सभी राजनीतिक दलों के लिये एक सा रखे जाने की बात करते हुये चुनाव घोषणा का स्वागत किया। उ. प्र. के मुख्यमंत्री ने चुनाव को लोकतंत्र उत्सव बताते हुये चुनाव दौरान कोरोना गाइड पालना के साथ चुनाव आयोग को हर तरह से सहयोग करने की बात की। पूरे चुनाव दौरान रैली, पदयात्रा, आम जन सभा पर रोक लगाये जाने की भी मांग चुनाव आयोग से की गई।

समय पर चुनाव हो, यहीं लोकतंत्र है। चुनाव कोविड काल में होने जा रहा है , चिंताजनक अवश्य है । पर यदि सभी राजनीतिक दल चुनाव आयोग की सलाह पर कोरोना गाइड पालना के साथ चुनावी प्रक्रिया में सहभागिता निभाएं तो लोकतंत्र का यह उत्सव सही ढंग से कोरोना का प्रतिकूल प्रभाव पड़े बिना सम्पन्न हो सकता है। इस दिषा में किसी तरह की राजनीति नहीं होनी चाहिए। सभी राजनीतिक दलों को कोविड काल में चुनाव आयोग की मार्गदर्षिता में कोरोना गाइड की पालना के साथ चुनावी प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। (लेखक-डॉ. भरत मिश्र प्राची / ईएमएस)

## दैनिक पंचांग

**12 जनवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

**बुधवार** 2022 वर्ष का 12 वां दिन
**दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
**विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943
**मास** पौष **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** दशमी 16.50 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** भरणी 14.00 बजे को समाप्त।
**योग** साध्य 11.37 बजे को समाप्त।
**करण** गर 16.50 बजे तदनन्तर वणिज 06.10 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 9.2 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 21° 41'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1871126
**जूलियन दिन** 2459591.5
**कलियुग संवत्** 5123
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2548
**हिजरी सन्** 1443 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 08 **विशेष** मासिक कार्तिगाई, स्वामी विवेकानंद जयंती, राष्ट्रीय युवा दिवस, महर्षि महेश योगी जयंती।

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | धनु में | मकर | 06.57 बजे से |
| चंद्र | मेष में | कुंभ | 08.43 बजे से |
| मंगल | वृश्चिक में | मीन | 10.16 बजे से |
| बुध | मकर में | मेष | 11.46 बजे से |
| गुरु | कुंभ में | वृष | 13.26 बजे से |
| शुक्र | धनु में | मिथुन | 15.25 बजे से |
| शनि | मकर में | कर्क | 17.38 बजे से |
| राहु | वृष में | सिंह | 19.54 बजे से |
| केतु | वृश्चिक में | कन्या | 22.06 बजे से |
| **राहुकाल** 12.00 से 1.30 बजे तक | | तुला | 00.17 बजे से |
| | | वृश्चिक | 02.31 ब.से |
| | | धनु | 04.47 बजे से |

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| लाभ | 05.54 से | 07.22 बजे तक | उद्वेग | 05.41 से | 07.12 बजे तक |
| अमृत | 07.22 से | 08.51 बजे तक | शुभ | 07.12 से | 08.44 बजे तक |
| काल | 08.15 से | 10.19 बजे तक | अमृत | 08.44 से | 10.16 बजे तक |
| शुभ | 10.19 से | 11.47 बजे तक | चर | 10.16 से | 11.47 बजे तक |
| रोग | 11.47 से | 01.16 बजे तक | रोग | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| उद्वेग | 01.16 से | 02.44 बजे तक | काल | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| चर | 02.44 से | 04.12 बजे तक | लाभ | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| लाभ | 04.12 से | 05.41 बजे तक | उद्वेग | 04.23 से | 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# युवाओं की राष्ट्र निर्माण में प्रमुख भूमिका

राष्ट्र के विकास में युवाओं का महत्वपूर्ण स्थान है किसी भी राष्ट्र की रीढ़ वहां की युवा शक्ति होती है। युवाओं के विचारों की हवा ही राष्ट्र की विजय पताका की दिशा निर्धारित करती है। संसार हमारे राष्ट्र का बहुत ही ऋणी है ,यदि भिन्न-भिन्न जातियों की तुलना की जाए तो हमें मालूम होगा कि यह संसार हिंदुस्तान का जितना ऋणी है उतना और किसी का नहीं । रोम, ग्रीस की सभ्यताएं भी जब अस्तित्व में नहीं थी , यूरोपियन के पूर्वज जब जर्मनी के घने जंगलों में छिपे रहते थे तब भी भारतवासी कितने क्रियाशील थे इस बात का प्रमाण हमारा इतिहास हमें देता है जिसका विचार करने पर स्वत: ही मन में स्फूर्ति और स्वयं को हम गौरवान्वित महसूस करने लगते हैं ऐसे में एकाएक राष्ट्रप्रेम में लीन होकर यदि हम भारत माता की जय का उदघोष कर दें तो ये कोई आश्चर्यजनक बात नहीं होगी । सहारनपुर के एहसान राव के मन में जब राष्ट्रप्रेम की इसी भावना का जागरण हुआ तो उन्होंने एक राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक पार्टी में एकाएक भारत माता की जय का उदघोष कर दिया। जिस पर उनका वीडियो बना किसी ने वायरल कर दिया । राजनीतिक पार्टी अथवा धर्म विशेष से नफरत की आग में सुलग रहे कुछ विशेष धर्म गुरुओं की तरफ से उन्हें चेतावनी दे दी गई और जान से मारे जाने की धमकी मिली सो अलग । क्या मात्र भारत माता की जय पर इन सभी लोगों को एतराज है ? या फिर दूषित मानसिकता के धनी हैं यह सभी लोग जो मात्र राष्ट्र विरोधी मानसिकता को प्रदर्शित करते हैं।

भारतीय युवा गीतकार एवं कवि मनोज मुंतशिर का लिखा यह गीत ठतेरी मिट्टी में मिल जावा गुल बन के मैं खिल जावा..... ...

न जाने कितने राष्ट्र प्रेमियों के कानों में गूंजा होगा परंतु इन पंक्तियों को अपने जीवन में उतारकर सार्थक कर गए भारतीय सेना प्रमुख विपिन रावत जी।भारतीय सेना में जनरल बिपिन रावत समेत सभी सदस्यों की आकस्मिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया । जीते जी जनरल रावत राष्ट्र के प्रति अद्भुत समर्पण की मिसाल तो बने ही , उनकी मृत्यु भी देश के युवाओं के मन में राष्ट्रभक्ति की लौ प्रज्वालित कर गई और देखते ही देखते देश के प्रत्येक प्रांत से उनको श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लग गया । इसी प्रकार हाल ही में पंजाब सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर देशवासियों के मन में क्रोध का एक लावा उबलते संपूर्ण देश ने देखा । संपूर्ण भारतवर्ष में उनकी सलामती की के लिए पूजा , अर्चना , प्रार्थनाएं की जाने लगी

उपरोक्त घटनाओं को दृष्टिगत रखकर यदि हम युवाओं की प्रतिक्रिया पर विचार करें तो युवाओं की प्रतिक्रिया किसी विशेष राजनीतिक स्वार्थ की दृष्टि से नहीं अपितु राष्ट्र के प्रति संवेदनशील भावना के कारण हम सभी के मध्य उजागर हुई परंतु इसके साथ ही हम सभी ने एक ऐसे समूह के दर्शन भी किए जिसने जहां जनरल की शहादत पर खुशियां मनाई तो वही पीएम मोदी की सुरक्षा चूक के मामले पर प्रधानमंत्री पर कटाक्ष भी किया। इतना ही नहीं अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को उजागर करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा भी लिया हालांकि बाद में जनरल रावत प्रकरण पर सरकार ने इन पर कड़ी कार्यवाही भी की परंतु विचारणीय प्रश्न यह है कि यह जो प्रतिपक्ष समूह समाज के समक्ष राष्ट्र विरोधियों के रूप में उभर कर आ रहे हैं उनके विचारों को आखिर पल्लवित और पोषित कौन कर रहा है जिसके कारण युवाओं में राष्ट्र के प्रति सोचने और समझने की क्षमता क्षीण होती जा रही है । विपिन रावत किसी विशेष धर्म ,जाति ,अथवा पार्टी से नहीं थे क्योंकि राष्ट्रीयता का धर्म अपना लेने के बाद कुछ भी शेष नहीं रहता । भारतीय सेना सम्पूर्ण भारतवर्ष की है परंतु उनकी शहादत पर खुशियां मना कर राष्ट्र की अवहेलना करना एक महान राष्ट्रीय पाप है। इसी प्रकार नरेंद्र मोदी भी प्रधानमंत्री संपूर्ण देश के हैं उनकी सुरक्षा में हुई चूक पर चुटकी लेने का अधिकार विपक्ष तक को नहीं है। नरेंद्र मोदी किसी विशेष पार्टी से हो सकते हैं परंतु प्रधानमंत्री हम सभी के हैं, इस प्रबल भावना के साथ ही हम सभी को एक साथ आगे आना होगा। समाज में जो लोग इन युवाओं के विचारों को दूषित करने का घिनोना कृत्य कर रहे हैं हमें उनकी पहचान करने के साथ ही उनको रोकना होगा । मन, वाणी और कर्म यदि एक को हो तो मुट्ठी भर लोग ही लक्ष्य प्राप्ति कर सकते हैं। हम सभी का लक्ष्य एक ही है अत: हम सभी को एक होकर आगे आना होगा और शत्रु बोध कर उनको रोकना होगा जो हमारे समाज को खोखला करने का असफल प्रयास कर रहे हैं। भारत माता के प्रति अपना ये कर्तव्य पालन करना ही हम सभी की राष्ट्रभक्ति का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण होगा।।

विवेकानंद जी ने कहा था कि भारतवर्ष के पुनरुत्थान में शारीरिक शक्ति से नहीं अपितु आत्मा की शक्ति के द्वारा भागीदार बनें । वह उत्थान विनाश की ध्वजा लेकर नहीं वरन शांति और प्रेम की ध्वजा से होगा और हमारी भारत माता पुन: एक बार जागृत होकर अपने सिंहासन पर पूर्व की अपेक्षा अधिक महिमान्वित होकर विराजेगी।

आइये संकल्प लें स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर कि जो स्वप्न विवेकानन्द जी ने इस राष्ट्र के लिए संजोया उसको पूर्ण करने में राष्ट्र के युवा सहभागी होंगे। (लेखिका-डॉ. निशा शर्मा / ईएमएस)

# अद्वितीय छवि के दूत थे स्वामी विवेकानन्द

विवेकानंद का तात्पर्य ख़ुशी से है। विवेक+आनंद अर्थात विवेकानंद। विवेक का सम्बन्ध ज्ञान से है। आनंद का सम्बन्ध सुख और दु:ख से परे है। जो व्यक्ति सुख और दु:ख दोनों स्थितियों में समभाव (एक सामान) रहता है वही आनंदित है। खुश वह है जो आनंदित है। कर्म का सम्बन्ध विद्वता से है। कर्म, ज्ञान प्राप्ति के लिए होना चाहिए। ज्ञान समता का मूलक है। अज्ञानता विषमता का मूलक है। कहने का तातपर्य ज्ञानी व्यक्ति आनंदित है। यहां ज्ञान का तात्पर्य आध्यात्मिक ज्ञान से है। सुख, शांति का प्रतीक है। दु:ख, अशांति का प्रतीक है। शांति और अशांति के बीच तारतम्यता बैठा लेना ही आनंद है। गौतम बुद्ध ने कहा था- वीणा के तार को उतना भी मत कसो की वह टूट जाए और इतना ढीला भी मत रखो की उससे सुर ही न निकले। कहने का तातपर्य यह है कि सुख में बहुत ज्यादा सुखी न होना और दु:ख में बहुत ज्यादा दुखी न होना। जीवन में वीणा (वाद्य यन्त्र) के तार की भाँती संतुलन बनाए रखना ही असली आनंद है। जो आनंदित है वही खुश है। जो खुश है वही संतुष्ट है। संतुष्टि ,सफलता का द्योतक है। स्वामी विवेकानन्द का कहना था कि सर्वश्रेष्ठ विचारक गौतम बुद्ध ही थे। गौतम बुद्ध की छवि स्वामी विवेकानन्द में झलकती थी। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि भगवान श्रीकृष्ण के बाद बुद्ध ही हैं जो वास्तव में कर्मयोगी हैं। वे भारत के लोगों को बुद्ध की तरह कर्मयोगी बनाना चाहते थे, इसलिए बार-बार इस बात पर बल देते रहे कि हमें बुद्ध की तरह ही बनना चाहिए। सनातन संस्कृति के संदेश वाहक स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी 1863 ई. कलकत्ता में पवित्र मकर संक्रांति के दिन हुआ था। भारत में प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस, स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मनाया जाता है। इस वर्ष 2022 में विवेकानन्द जी की 159 वी जयंती है। वर्ष 1984 में, भारत सरकार ने 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में घोषित किया। 1985 से भारत में, इस कार्यक्रम को प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। यह भारत के युवाओं को प्रेरित करता है। स्वामी विवेकानन्द में अदम्य साहस था। स्वामी विवेकानन्द के बचपन का नाम नरेंद्र नाथ था। नरेंद्र नाथ विचारशील थे। 15 अगस्त 1886 ई. की मध्य रात्रि को श्री रामकृष्ण परमहंस समाधि में लीन हो गए। रामकृष्ण परमहंस, नरेंद्र नाथ (विवेकानंद) के गुरु थे। रामकृष्ण द्वारा सौंपे गए कार्य को निभाने का उत्तरदायित्व नरेंद्र नाथ पर आ पड़ा। नरेंद्र नाथ 25 वर्ष की आयु में परिव्रज्या ग्रहण कर वह समग्र भारत की यात्रा पर निकल पड़े। नरेंद्र नाथ अब स्वामी विवेकानन्द के नाम से प्रसिद्ध हो गए। स्वामी विवेकानंद सदैव यही आग्रह किया करते थे कि यदि हमें इस देश की समस्या का सही निदान ढूढ़ना है तो सर्वप्रथम इस देश को देखना होगा। विवेकानंद ने भारत यात्रा में भारतीय जनता का वास्तविक रूप देखा। भारत माता के इस स्वरुप को देखकर उन्होंने भारतीय युवकों को सन्देश दिया - आगामी 50 वर्षो तक तुम लोग अपनी जननी जन्म भूमि की अराधना करो और इस समय तुम्हारा एक मात्रा देवता है तुम्हारा राष्ट्र। किसी भी देश का युवा उस देश के विकास का सशक्त आधार होता है। जब यही युवा अपने सामाजिक और राजनैतिक जिम्मेदारियों को भूलकर विलासिता के कार्यों में अपना समय नष्ट करता है, तब देश बर्बादी की ओर अग्रसर होने लगता है। आज के युवा वर्ग में देश का भविष्य निहित है। अतएव आज के युवा वर्ग को अपने जीवन का एक उद्देश्य ढूँढ लेना चाहिए। हमें ऐसा प्रयास करना होगा ताकि युवाओं के भीतर जगी हुई प्रेरणा तथा उत्साह ठीक पथ पर संचालित हो। पूरे विश्व में भारत को युवाओं का देश कहा जाता है। वर्ष 2014 तक हमारे देश की सरकार 13 से 35 साल तक के लोगों को युवा मानती थी। वर्ष 2014 में नेशनल यूथ पॉलिसी आई और युवा की परिभाषा बदल गई। अगर आप भारत में रहते हैं और आपकी उम्र 15 से 30 साल के बीच है तो आप युवा हैं। 15 साल से ज्यादा और 30 साल से कम उम्र के ही लोग सरकारी रिकॉर्ड में युवा माने जाते हैं। इस लिहाज से देश में 37 करोड़ युवा हैं। भारत की कुल जनसँख्या लगभग 139 करोड़ है। हमारे देश में अथाह श्रमशक्ति उपलब्ध है। आवश्यकता है आज हमारे देश की युवा शक्ति को उचित मार्ग दर्शन देकर उन्हें देश की उन्नति में भागीदार बनाने की। उनमे अच्छे संस्कार, उचित शिक्षा एवं प्रोद्यौगिक विशेषज्ञ बनाने की। उन्हें बुरी आदतों जैसे- नशा, जुआ, हिंसा इत्यादि से बचाने की। देश के निर्माण के लिए, देश की उन्नति के लिए, देश को विश्व के विकसित राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा करने के लिए युवा वर्ग को ही मेधावी, श्रमशील, देश भक्त और समाज सेवा की भावना से ओत प्रोत होना होगा। राष्ट्र के विकास की आधारशिला है ठयुवा शक्तिठ। स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति के प्रेरणास्त्रोत थे। कठोपनिषद् में मंत्र है : उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत। क्षुरस्य धारा निशिता दुरत्यया दुर्गं पथस्तत्कवयो वदन्ति।। (कठोपनिषद्,अध्याय 1,वल्ली 3,मंत्र 14) - जिसका अर्थ कुछ यूं है: उठो, जागो, और जानकार श्रेष्ठ पुरुषों के सान्निध्य में ज्ञान प्राप्त करो। विद्वान् मनीषी जनों का कहना है कि ज्ञान प्राप्ति का मार्ग उसी प्रकार दुर्गम है जिस प्रकार छुरे के पैना किये गये धार पर चलना। स्वामी विवेकानंद के उपदेशात्मक वचनों में एक सूत्र वाक्य विख्यात है -उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत। इससे प्रतीत होता है कि विवेकानंद जी का वैदिक चिंतन तथा अध्यात्म में उनकी श्रद्धा थी। इस वचन के माध्यम से उन्होंने देशवासियों को अज्ञानजन्य अंधकार से बाहर निकलकर ज्ञानार्जन की प्रेरणा दी थी। कदाचित् अंधकार से उनका तात्पर्य अंधविश्वासों, विकृत रूढ़ियों, अशिक्षा एवं अकर्मण्यता की अवस्था से था। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि आध्यात्मिक शक्ति से ओतप्रोत स्वामी विवेकानंद जी राष्ट्र भक्त भी थे। अमेरिका के शिकागो नगर में 1893 ई. के सितम्बर में एक सर्व सर्व धर्म सम्मेलन होने वाला था ,उसमे भाग लेने के लिए स्वामी विवेकानन्द 1893 ई. मई में जहाज से निकले। वैसे सम्मेलन समिति की ओर से उन्हें प्रतिनिधि के रूप में निमंत्रण नहीं था किन्तु काफी असुविधाएं सहन करने के बाद उन्हें सम्मेलन में प्रवेश मिला। पहले ही दिन (11-09-1893) भाषण से उन्होंने सारे अमेरिका को जीत लिया। ऐसे विशाल समूह के समक्ष भाषण देने का उनका यह पहला अवसर था। उन्होंने प्रारम्भ में अमेरिका वासियों को बहनों और भाइयों जैसे शब्दों से वहां के श्रोताओं को सम्बोधित किया। उनके इस सम्बोधन ने पाश्चात्य जगत को मंत्र मुग्ध कर डाला। स्वामी विवेकानन्द का सन्देश जनजीवन का सन्देश था। स्वामी जी ने अपने जीवन में जो कार्य किया उसके दो पहलु हैं राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय। इन दोनों क्षेत्रों में उन्होंने जो कार्य किया तथा जो शिक्षा दी वह सचमुच ही अलौकिक है। 11 सितम्बर 1893 ई. को भारत के युवा सन्यासी स्वामी विवेकानन्द ने पाश्चात्य सभ्यता को बौना साबित कर दिया था। हम भारतवासी 09/11 (नाइन इलेवन) को न्यूयार्क के लिए नहीं, शिकागो के लिए याद करते हैं। 09/11 को असहिष्णुता के लिए नहीं, सहिष्णुता के लिए याद करते हैं। 09/11 को कट्टरता के लिए नहीं, सनातन संस्कृति के लिए याद करते हैं। 09/11 को ओसामा बिन लादेन के लिए नहीं, स्वामी विवेकानन्द के लिए याद करते हैं। ये (09/11) वही दिन था जब स्वामी विवेकानन्द ने अपने भाषण से भारत को विश्व गुरु साबित किया। स्वामी विवेकानन्द वास्तव में अद्वितीय छवि के दूत थे। स्वामी विवेकानंद ने वैश्विक पटल पर सनातन संस्कृति को अमरता प्रदान की। जिससे भारत विश्व गुरु कहलाया। अतएव हम कह सकते हैं कि सनातन संस्कृति को संजीवनी प्रदान करने वाला महानायक कोई और नहीं बल्कि स्वामी विवेकानन्द ही थे। (लेखक - डॉ. शंकर सुवन सिंह / ईएमएस)

## आज का इतिहास 12 जनवरी

1598 पोप क्लीमेन्ट आठवें ने इटली में फेरारा की डची पर कब्जा किया.
1848 पालेमो में विद्रोह हुआ.
1863 स्वामी विवेकानंद का जन्म.
1879 अफ्रीका में ब्रिटिश जुलु युद्ध भड़का.
1934 प्रसिद्ध क्रांतिकारी सूर्यसेन (मास्टर दा) को चटगाँव जेल में फांसी दे दी गई.
1945 द्वितीय विश्व युद्ध में बेल्जियम से जर्मन फौजें पीछे हटी.
1953 यूगोस्लाव नेशनल असेम्बली ने नया संविधान स्वीकार किया.
1958 सोवियत संघ ने आर्कटिक से भूमध्यसागर तक के क्षेत्र को परमाणु मुक्त रखने का प्रस्ताव किया.
1964 जंजीबार गणराज्य बना.
1967 चीन में सांस्कृतिक क्रांति के दौरान सेना ने माओत्से तुंग को समर्थन देने की घोषणा की.
1970 अलग हुए बियाफा ने हथियार डाल दिए और नाइजीरियाई गृहयुद्ध समाप्त हो गया.
1972 शेख मुजीबुर्रहमान बांगलादेश के प्रधानमंत्री बने.
1976 थाइलैंड में मिली-जुली सरकार ने इस्तीफा दिया.
1990 रोमानियाई कम्युनिस्ट पार्टी समाप्त हो गई.
1985 राष्ट्रीय युवा दिवस घोषित.
1987 टिहरी बाँध पर भारत-सोवियत सहयोग का समझौता.
2000 देश के प्रमुख पांच हवाई अड्डों मुंबई, चेन्नई,कोलकाता,दिल्ली और बैंगलोर को लीज पर देने की घोषणा.
2002 पुंछ सेक्टर में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए तथा आठ बंकरों का सफाया.
2004 पूर्व केंद्रीय मंत्री और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री रामकृष्ण हेगड़े का निधन.
2005 सिने अभिनेता अमरीश पुरी का 72 वर्ष की आयु में निधन.
2006 मुसलमानों के पवित्र तीर्थ स्थल मक्का में शैतान को पत्थर मारने की हज की आखिरी रस्म के दौरान मची भगदड़ में छह भारतीयों समेत 345 से भी अधिक श्रद्धालुओं की मौत हो गई.

# मलेरिया के मच्छरों को मरने के लिए नया हाथियार की हो रही खोज

वाशिंगटन (ईएमएस)। मलेरिया के मच्छरों को कीटनाशकों से मारने में इंसानों और पर्यावरण पर भी दुष्प्रभाव का खतरा रहता है।इसकारण स्वीडन में शोधकर्ता इन मच्छरों के खात्मे के लिए एक नए तरीके पर काम कर रहे हैं। स्टॉकहोम की एक प्रयोगशाला में मच्छरों से भरे हुए पिंजरे रखे हुए हैं। मच्छरों को पिंजरों के अंदर बंद रखने के लिए उन पर महिलाओं के टाइट्स चढ़ाए गए हैं। मलेरिया से लड़ने की एक बड़ी योजना के तहत इन मच्छरों को रोज घातक विष मिलाकर चुकंदर का जूस दिया जा रहा है।शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि मलेरिया फैलाने वाले एनोफेलीज मच्छर को मारने के लिए उन्होंने एक ऐसा तरीका खोज निकाला है जो पर्यावरण के अनुकूल है।ये शोधकर्ता इतने आशान्वित हैं कि उन्होंने अपनी खोज को व्यावसायिक रूप से आगे बढ़ाने के लिए कंपनी की स्थापना कर ली है।

शोधकर्ता कहती हैं कि ये एक पालतू पशु या पक्षी रखने जैसा है, लेकिन फर्क इतना है कि पालतू पशुओं को इस तरह धोखे से जहरीले शरबत नहीं पिला सकते है।वहां बताती हैं इन मच्छरों को धोखा देने के लिए जूस में एक ऐसा मॉलिक्यूल मिलाया जाता है जो इन मच्छरों को आकर्षित करता है।किसी भी सॉल्यूशन में इस मॉलिक्यूल को मिलाने से वहां सॉल्यूशन मच्छरों के लिए काफी स्वादिष्ट हो जाता है।

यह मॉलिक्यूल तब निकलता है, जब मलेरिया फैलाने वाला परजीवी शरीर की लाल रक्त कोशिकाओं पर हमला करता है। शोधकर्ता एक विशालकाय फ्रिज को खोलती हैं, जिसमें 27 डिग्री सेल्सियस तापमान बरकरार रखा गया है। फ्रिज में पानी से भरे हुए डिब्बे में मच्छरों के डिम्भक (लार्वा) कुलबुला रहे हैं।इस मॉलिक्यूल को विषों में मिलाकर फिर विष को चुकंदर के जूस में मिला देने से मच्छर पीते हैं और मर जाते हैं।उन्होंने बताया, ठमच्छरों को मारने का सबसे अच्छा तरीका अभी भी कीटनाशक हैं, लेकिन हमें मालूम है कि कीटनाशक ना सिर्फ मच्छरों को बल्कि दूसरे कीड़ों और अन्य जीवों को भी मार रहे हैं कीटनाशकों की प्रभावित कम होने के भी सबूत सामने आ रहे हैं।

## शब्द पहेली - 7165

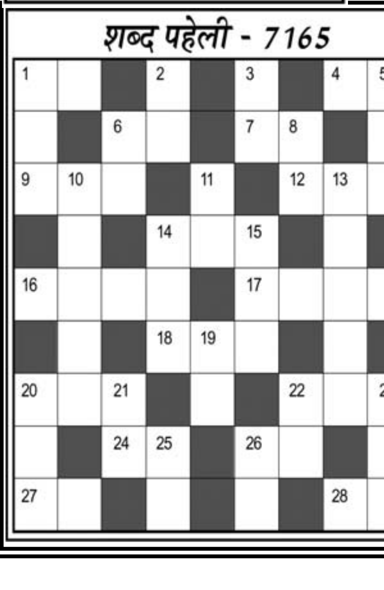


**बाएँ से दाएँ**
1.निशा,रात (उर्दू-2)
4.ताला (अंग्रेजी-2)
6.दुलारा,लाडला-2
7.बढ़ावा,समर्थन-2
9.निवास,घर,नीड़-3
12.कमी-3
14.पनाह,आश्रय-3
16.अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17.सज्जनता,सभ्यता-4
18.गिरवी रखी वस्तु-3
20.एक राशि-3
22.दबाव (अंग्रेजी-3)
24.कुल,मुनाफा-2
26.उम्मीद,आशा-2
27.मादा का विलोम-2
28.आगमन-2

**ऊपर से नीचे**
1.मदिरा,मय-3
2.ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3.सम्मान,प्रसिद्धि-2
5.डोली उठाने वाले-3
6.वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8.अधिकार-2
10.सेनापति,कप्तान-2,3
11.पति की मां-2
13.आत्मबलिदानी -5
14.कद काठी-3
15.रसद,किराणा-3
19.प्रत्येक-2
20.मैला,अस्वच्छ-3
21.मिट्टी,धूल-2
22.छापाखाना-2
23.जिव्हा,जीभ-3
25.सम्मान-2
26.फलों का राजा-2

**शब्द पहेली -7164 का हल**

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# सम्पादकीय

## खेल-समाचार

### आईपीएल करारों से मालामाल हुआ बीसीसीआई

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में किये प्रायोजन करार से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को हर साल करोड़ों का लाभ हुआ है। अब टाटा समूह अगले दो साल के लिए खिताबी प्रायोजक बना है। टाटा चीनी मोबाइल कंपनी वीवो की जगह प्रायोजक बना है। आईपीएल के इतिहास को देखें तो साल 2008 से शुरू हुए आईपीएल टूर्नामेंट में करार से बीसीआई पर पैसों की बारिश हुई है। पिछले 13 साल में आईपीएल से बोर्ड को जमकर लाभ हुआ है। आईपीएल इतिहास में टाटा पांचवां आयोजक होगा, जिसे खिताबी प्रयोजक की जिम्मेदारी मिली है। अभी तक कैसे आईपीएल का नाम बदला है, जानिए और स्पॉन्सरशिप के लिए कितना पैसा देना पड़ा है.

साल 2008 से 2012- डीएल एफ ध्आईपीएल( 40 करोड़ रुपये प्रति साल)
साल 2013 से 2015- पेप्सी आईपीएल (79.2 करोड़ रुपये प्रति साल)
साल 2016 से 2017- वीवो आईपीएल (100 करोड़ रुपये प्रति साल)
साल 2018 से 2019- वीवो आईपीएल (439.8 करोड़ रुपये प्रति साल)
साल 2020- ड्रीम 11 आईपीएल (222 करोड़ रुपये)
साल 2021- (वीवो आईपीएल आईपीएल 439.8 करोड़ रुपये)
साल 2022- टाटा समूह ।

### वीवो की जगह अब टाटा समूह बना आईपीएल प्रायोजक

मुम्बई (ईएमएस)। अब टाटा समूह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का प्रायोजक बना है। टाटा समूह को इस साल से चीनी मोबाइल निर्माता कंपनी वीवो की जगह आईपीएल का नया प्रायोजक बनाया गया है। आईपीएल की संचालन परिषद ने एक बैठक में यह फैसला किया है। आईपीएल अध्यक्ष बृजेश पटेल ने कहा,'' हां , टाटा समूह अब आईपीएल का नया प्रायोजक होगा।'' वीवो ने साल 2018 से 2022 तक आईपीएल के प्रायोजन अधिकार 2200 करोड़ रूपये में खरीदे थे पर गलवान घाटी में साल 2020 में भारत और चीन के बीच सैन्य टकराव के बाद देश भर में वीवो का विरोध हुआ था। उसको देखते हुए उसने प्रायोजक बनने से इंकार कर दिया था। ऐसे में तब ड्रीम 11 नयी प्रायोजक बनी थी। वीवो हालांकि साल 2021 में फिर प्रायोजक बना पर उसके विरोध को देखते हुए कहा गया कि वह बोली के जरिये अधिकार का हस्तांतरण करेगा जिसे बीसीसीआई ने मान लिया।

गौरतब है कि वीवो ने साल 2018 में पांच साल के लिए आईपीएल टाइटल स्पॉन्सरशिप के अधिकार 2190 करोड़ रुपए में खरीदे थे। अनुबंध के तहत वीवो को हर साल बीसीसीआई को खिताबी प्रायोजक के रूप में 440 करोड़ रुपए देने थे पर साल 2020 में भारत और चीन के बीच सीमा विवाद गहराने से इस अनुबंध का विरोध शुरु हो गया था।

बीसीसीआई पर वीवो से करार रद्द करने का दबाव बढ़ने के बाद बाद पहले एक साल के लिए वीवो की जगह ड्रीम 11 को प्रायोजक बनाया गया और अब यह जिम्मेदारी टाटा को मिली है। आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल के अनुसार अनुबंध में अभी 2 साल बाकी थे। ऐसे में टाटा अब साल 2023 तक खिताबी प्रायोजक रहेगा।

### 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में शुरु होगी आईपीएल मेगा नीलामी : पटेल

वीवो की जगह टाटा होगी प्रायोजक
महाराष्ट्र में होगा पूरा टूर्नामेंट

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष बृजेश पटेल ने कहा है कि आईपीएल मेगा नीलामी अगले माह 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में शुरु होगी। साथ ही कहा कि नई फ्रेंचाइजी अहमदाबाद और लखनऊ को मेगा नीलामी से पहले अपने खिलाड़ियों के साथ करार करने के लिए करीब दो सप्ताह का समय दिया जाएगा। इस संबंध में एक औपचारिक पत्र एक दो दिनों में इन दोनो टीमों को भेज दिया जाएगा।

पटेल ने साथ ही कहा कि विवो की जगह अब टाटा आईपीएल की प्रायोजक होगी। टाटा टूर्नामेंट के 15वें और 16वें संस्करण के लिए इंडियन टी20 लीग के टाइटल प्रायोजक होगा पटेल ने यह भी कहा कि आईपीएल संचालन परिषद ने वीवो के बाहर निकलने के अनुरोध को मान लिया है। पटेल ने कहा कि वीवो बाहर हो गयी है और उसकी जगह टाटा शीर्षक प्रायोजक बनी है। विवो से आईपीएल प्रायोजन सौदे से बाहर निकलने का अनुरोध किया गया था और बीसीसीआई ने उसे मंजूरी दे दी है। साथ ही कहा कि बीसीसीआई टाइटल राइट्स के लिए समान शुल्क जारी रखेगा।

इसके अलावा अहमदाबाद फ्रैंचाइजी के सीवीसी कैपिटल के अधिग्रहण को भी आईपीएल गवर्निंग काउंसिल द्वारा अनुमोदित किया गया है और उसी के संबंध में बीसीसीआई द्वारा आशय पत्र जारी किया जाएगा। पटेल ने कहा, गवर्निंग काउंसिल ने अहमदाबाद टीम के सीवीसी अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है और इस बारे में एलओआई जारी कर दी जाएगी। पटेल ने यह भी कहा कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए एक ही राज्य महाराष्ट्र में पूरा टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा ताकि खिलाड़ियों को कम यात्राएं करनी पड़ें।

### दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर मॉरिस ने संन्यास लिया

केपटाउन (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर क्रिस मॉरिस ने खेल को अलविदा कह दिया है। मॉरिस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट लिखकर प्रशंसकों को यह जानकारी दी है। मॉरिस अब कोचिंग में उतरेंगे। उन्हें दक्षिण अफ्रीका की घरेलू क्रिकेट टीम टाइटन्स ने अपना कोच बनाया है। मॉरिस आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी रहे थे। आईपीएल 2021 की नीलामी में मॉरिस को राजस्थान रॉयल्स ने 16.25 करोड़ में खरीदा था। उनसे पहले युवराज सिंह नीलामी में बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी थे।

मॉरिस ने लिखा, आज मै क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास ले रहा हूं। अपने करियर में सहायक और साथ रहे लोगों का में आभारी हूं। क्रिकेट का यह सफर काफी अच्छा रहा है। टाइटन्स टीम में कोचिंग की भूमिका में आकर मुझे काफी अच्छा लगा है।मॉरिस ने अंतिम बार साल 2019 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेला था। इस टूर्नामेंट में वो दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उन्होंने तीनों प्रारुपों में कुल मिलाकर कुल 69 मैच में 94 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने साल 22 साल की उम्र में अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था।

### गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी, अदिति सहित दस खिलाड़ी टॉप्स में शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी, अदिति अशोक और दीक्षा डागर के साथ ही ओलंपियन घुड़सवार फवाद मिर्जा और अल्पाइन स्कीयर मोहम्मद आरिफ खान सहित 10 एथलीटों को खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल किया गया है। लाहिड़ी, अदिति, दीक्षा, मिर्जा और खान को इसके कोर ग्रुप में शामिल किया गया है, जबकि गोल्फर शुभंकर शर्मा और त्वेसा मलिक तथा जुडोका यश घंगास, उन्नति शर्मा और लिंथोई चनंबम को 'डेवलपमेंट ग्रुप' (विकास समूह) में रखा गया है।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के अनुसार इन नये खिलाड्यिों के जुडऩे के बाद टॉप्स में कुल खिलाड्यिों की संख्या बढ़कर 301 हो गयी जिसमें से 107 खिलाड़ी कोर ग्रुप में शामिल हैं। आरिफ अगले महीने बीजिंग में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाले देश के पहले अल्पाइन स्कीयर हैं। साइ के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने यूरोप में उनके पांच सप्ताह के प्रशिक्षण और उपकरणों की खरीद के लिए 17.46 लाख रुपये की मंजूरी दी है। वहीं फवाद ने जकार्ता एशियाई खेल 2018 में रजत पदक जीता था और पिछले साल टोक्यो ओलंपिक खेलों में वह 23वें स्थान पर रहे थे। अदिति ओर दीक्षा का ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन रहा था जबकि एशिया-ओसेनिया जूनियर चैंपियनशिप में रजत जीतने के कारण जुडोका घंगास , चनंबम ओर उन्नति का टॉप्स में जगह मिली है।

### डब्ल्यूआईएफए महिला फुटबॉल लीग स्थगित

मुंबई (ईएमएस)। कोरोना संक्रमण के कारण खेलों के बंद होने का सिलसिला जारी है। पश्चिम भारत फुटबॉल संघ (डब्ल्यूआईएफए) ने संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण यहां के कूपरेज फुटबॉल मैदान पर चल रहे डब्ल्यूआईएफए महिला फुटबॉल लीग 2021-22 को स्थगित कर दिया है। डब्ल्यूआईएफए ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार के कोविड-19 से जुड़े नए दिशानिर्देशों के लागू हाने के कारण यह फैसला किया गया है। वहीं राज्य सरकार ने खेल प्रतियोगिताओं के लिये जारी अपने दिशानिर्देशों में कहा है कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं को छोड़कर राज्य में चल रहे सभी अन्य खेल आयोजनों को स्थगित कर दिया है। इसमें यह निर्देश दिया गया है कि कोई भी जिला या शहर स्तर का खेल शिविर या प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं किया जाये।

# शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ है। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी और वित्तीय शेयरों में लिवाली (खरीददारी) से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स दिन के एक समय उच्चस्तर 60,689.25 अंक तक चला गया था और अंत में यह 221.26 अंक करीब 0.37 फीसदी ऊपर आकर 60,616.89 अंक पर बंद हुआ।

वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 52.45 अंक करीब 0.29 फीसदी बढ़कर 18,055.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक, एचडीएफसी, टेक महिंद्रा, टीसीएस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा और एसबीआई के शेयर 4.3 फीसदी तक फायदे में रहे। वहीं दूसरी ओर नुकसान वाले शेयरों में टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, एशियन पेंट्स और कोटक बैंक के शेयर शामिल हैं।जानकारों के अनुसार वित्तीय खासकर प्रमुख बैंकों, आईटी, धातु, दूरसंचार और तेल एवं गैस कंपनियों के परिणाम बेहतर रहने से यह उछाल आया है। इससे बाजार को सहारा मिला है।

## किसी के लिए भी वृद्धि के लिए पहले फिट होना जरूरी

मुंबई (ईएमएस)। मैराथन दौड़ में अक्सर शामिल होने वाले टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि किसी के लिए भी वृद्धि के लिए पहले फिट होना जरूरी है। चंद्रशेखरन ने फिट नहीं रहने को आगे बढ़ने की कोशिश नहीं करने का सबक बताकर कहा कि टाटा समूह अपने मुख्य कारोबार को मजबूत करते हुए अपनी कंपनियों को स्थिरता और डिजिटलीकरण के लिहाज से नए भविष्य की ओर ले जा रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं मानता हूं कि वृद्धि सभी के लिए ऊर्जा का स्त्रोत है। मैं वृद्धि चाहूंगा, लेकिन जाहिर है कि आप तभी बढ़ सकते हैं, जब आप फिट हों। आप व्यवसाय में वृद्धि के लिए मैराथन से क्या सीख सकते हैं, पहले फिट हो जाओ।'' चंद्रशेखरन ने कहा, ''जहां भी आप फिट नहीं हैं, वहां बढ़ने की कोशिश न करें। यह एक बहुत ही दिलचस्प मिसाल है।'' उन्होंने टाटा समूह के बारे में कहा, ''यह समूह एक रोमांचक जगह है। हम मुख्य व्यवसाय को मजबूत कर रहे हैं, साथ ही हम स्थिरता, डिजिटलीकरण जैसे मामले में अपनी कंपनियों को नए भविष्य की ओर भी ले जा रहे हैं।उन्होंने कहा,हम कई व्यवसाय भी बना रहे हैं, जो भविष्य के व्यवसाय हैं। यह एक तरह का तीन स्तरीय मोर्चा है, जिस पर हम काम कर रहे हैं। यह काफी रोमांचक है।''

# घरेलू कंपनियों का परिचालन मार्जिन तिमाही में सालाना आधार पर घट सकता

मुंबई (ईएमएस)। घरेलू कंपनियों का परिचालन मार्जिन चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 1.0 से 1.2 प्रतिशत तक घट सकता है।कुल 40 क्षेत्रों में से 27 में राजस्व बढ़ने के बावजूद मार्जिन कम रहने की आशंका है।एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि जिंसों के दाम में तेजी तथा कीमतों में वृद्धि से कंपनियों की आय 16-17 प्रतिशत बढ़कर 9.1 लाख करोड़ रुपये रह सकती है। कंपनियों के तिमाही परिणाम आने शुरू हो चुके हैं। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस दिसंबर तिमाही के परिणाम की घोषणा आज करेगी।

पिछली 12 तिमाहियों में पहली बार दिसंबर, 2021 को समाप्त तिमाही में कंपनियों के शुद्ध लाभ (ईबीआईटीडीए) में सालाना आधार पर 1.0 से 1.2 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। जबकि तिमाही आधार पर इसमें 0.7 से 1.0 प्रतिशत की कमी का अनुमान है। कुल 40 क्षेत्रों में से 27 क्षेत्रों की 300 कंपनियों पर हुए अध्ययन के अनुसार उनके परिचालन मार्जिन में कमी का अनुमान है।इसमें वित्तीय सेवा और तेल गैस क्षेत्र की कंपनियां शामिल नहीं हैं। विश्लेषण के अनुसार, सॉफ्टवेयर कंपनियों का मार्जिन 2.3 से 2.5 प्रतिशत घटने का अनुमान है। जबकि निर्यात से जुड़े क्षेत्रों में यह 2.0 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत कम रह सकता है। सोच समझकर किये जाने वाले उपभोक्ता खर्च वाले क्षेत्रों में 1.3 से 1.5 प्रतिशत तथा इस्पात उत्पाद एवं औषधि क्षेत्रों में यह संकुचन 1.1 से 1.3 प्रतिशत रह सकता है। क्रिसिल के अनुसार, मार्जिन में कमी का एक प्रमुख कारण यह है कि कच्चे माल की लागत बढ़ने के बावजूद कंपनियां इसका पूरा बोझ ग्राहकों पर नहीं डाल पा रही हैं। खासकर प्रमुख धातुओं और ऊर्जा कीमतों के मामले में यह देखने को मिला है।

## कोविड की थर्ड वेव से प्रभावित होगा प्रतिभूतिकरण : इक्रा

मुंबई (ईएमएस)। कोरोना वायरस की तीसरी लहर के आहट के बीच लागू की गई पाबंदियों से कर्ज वसूली और गैर-बैंकिंग वित्तीय तथा आवास वित्त कंपनियों द्वारा दिए जाने वाले नए ऋण में कमी आ सकती है। इससे प्रतिभूतिकरण की मात्रा प्रभावित होगी। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। इक्रा ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि प्रतिभूतिकरण की कुल मात्रा वित्त वर्ष 2021-22 में 1-1.1 लाख करोड़ रुपए पर आ जाएगी, जबकि पहले इसका अनुमान 1.2 लाख रुपए था। प्रतिभूतिकरण के तहत एक गैर-बैंकिग वित्तीय इकाई कर्ज के एवज में भविष्य में होने वाली प्राप्ति या कुछ ऋण अग्रिम नकदी के लिए प्रतिभूति के रूप में किसी अन्य संस्था को देते हैं।

एजेंसी ने कहा कि इस प्रकार जनवरी-मार्च 2021-22 तिमाही में प्रतिभूतिकरण की मात्रा प्रभावित हो सकती है क्योंकि गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियां (एनबीएफसी) और आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी) वितरण में कटौती कर सकती हैं। विशेष रूप से कोरोना वायरस से प्रभावित क्षेत्रों में यह देखने को मिल सकता है। साथ ही निवेशक जोखिम के कम होने की प्रतीक्षा करना पसंद करेंगे। इक्रा के पुनर्गठित वित्त के प्रमुख अभिषेक दफरिया ने कहा कि कुछ राज्यों ने अब तक कोरोना वायरस का गंभीर असर नहीं होने के बावजूद प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के बीमार पड़ने से लॉकडाउन न केवल संग्रह क्षमता को प्रभावित करता है, बल्कि कर्जदारों की आय पर भी असर डालेगा।

# चिप डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण जैसे नए अवसरों का लाभ उठा सकता है भारत : चंद्रशेखर

नई दिल्ली (ईएमएस)। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री आर चंद्रशेखर ने मंगलवार को कहा कि भारत अगले 5-7 वर्षो में अपनी मुख्य क्षमता के अलावा अर्धचालक (सेमीकंडक्टर) डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाओं जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों का दोहन कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट के कार्यक्रम 'फ्यूचर रेडी' में मंत्री ने कहा कि कंप्यूटिंग प्रदर्शन की अगली लहर सॉफ्टवेयर महत्तम उपयोग (ऑप्टिमाइजेशन), सेमीकंडक्टर डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और नवीन खोजों से आने वाली है।

उन्होंने कहा हम सिर्फ सॉफ्टवेयर प्रदाता हुआ करते थे और अब हम अगले पांच से सात वर्षों में हार्डवेयर प्रदाता बन सकते हैं, हम सेमीकंडक्टर डिजाइन प्रदाता हो सकते हैं। हम 'ई-आरएंडडी' प्रदाता हो सकते हैं। हम इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, डिजाइन प्रदाता हो सकते हैं और हम इलेक्ट्रॉनिक, विनिर्माण सेवा प्रदाता हो सकते हैं। उन्होंने कहा पिछले 15-20 वर्षों से हमारी जो मुख्य क्षमता रही है, उसके आगे भी अवसरों का एक नया क्षितिज है। चंद्रशेखर ने कहा कि देश में 1,000 अरब डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था के निर्माण का लक्ष्य उद्योग, उद्यमियों और शिक्षाविदों के साथ साझेदारी में हासिल किया जाएगा। बढ़ते डिजिटलीकरण के बीच उपयोगकर्ता डेटा सुरक्षा के बारे में बात करते हुए, चंद्रशेखर ने कहा कि भारत में इंटरनेट हमेशा खुला, सुरक्षित, भरोसेमंद और जवाबदेह रहेगा।

## चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में 9.5 प्रतिशत की दर से होगा इजाफा

-पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद विरमानी की राय

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद विरमानी का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष में 9। 5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है। विरमानी ने उद्योग निकाय पीएचडीसीसीआई द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि सरकारी खर्च और निर्यात काफी अधिक हैं, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण निजी खपत में सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'मौजूदा वित्त वर्ष की वृद्धि दर अधिक और 9.5 प्रतिशत के करीब होगी। इस दशक (वित्त वर्ष 2020-21 से 2029-30 तक) की औसत वृद्धि 7.5 प्रतिशत रहेगी, जिसमें ऊपर-नीचे आधा प्रतिशत का अंतर आ सकता है।'

हाल के सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 9.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जबकि 2020-21 में यह आंकड़ा ऋणात्मक 7.3 प्रतिशत था। जानेमाने अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत की जीडीपी वृद्धि अब सकारात्मक है, लेकिन रोजगार में वृद्धि पिछड़ रही है। उन्होंने समावेशी विकास के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक एमएसएमई को कॉरपोरेट क्षेत्र के साथ प्रतिस्पर्धा करने का पूरा मौका मिलना चाहिए। विरमानी ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने आर्थिक सुधार को प्रभावित किया और कर सुधारों को आगे बढ़ाया।

# जल्द आपकी खिड़की पर ड्रोन की मदद से डिलेवर होगा खाना और अन्य सामान

नई दिल्ली (ईएमएस)। यदि आप स्विगी या जोमैटो से खाना ऑर्डर करें और कुछ देर बाद आपकी खिड़की पर ड्रोन दस्तक दे,तब चौंकिएगा नहीं, क्योंकि यह जल्दी ही सच होने वाला है।इतना ही नहीं, किसी डिपार्टमेंटल स्टोर से आप कोई सामान ऑर्डर करे, तब उस आपके घर पहुंचाने के लिए ड्रोन आ सकता है।ड्रोन से अंतिम छोर तक डिलीवरी के लिए कंपनियां अपनी तैयारी पूरी करने लगी हैं।

लास्ट माइल डिलीवरी कंपनी ने पिछले सप्ताह बताया कि वह ड्रोन लॉजिस्टिक्स सेक्टर में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है।अभी तक इलेक्ट्रिक व्हीकल से डिलीवरी कर रही कंपनी ने ड्रोन से सामान पहुंचाने के लिए टोवोस ड्रोन के साथ हाथ मिलाया है।कंपनी अभी पहले फेज में 200 ड्रोन मार्केट में उतारने जा रही है। ये ड्रोन अभी दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरू, हैदराबाद, मुंबई और पुणे में डिलीवरी करने वाले है।

बता दें कि टोवोस ड्रोन डिलीवरी करने वाले ड्रोन डेवलप करती है।कंपनी पहले ही कई ड्रोन तैयार कर चुकी है, जिन्हें खासतौर पर डिलीवरी के लिए डेवलप किया गया है।कंपनी की वेबसाइट पर डिलीवरी ड्रोन के 2 मॉडल की जानकारी दी गई है।पहला मॉडल मारुति 2.0 है, जो कम दूरी की डिलीवरी (40 किलोमीटर रेंज) के लिए है। वहीं दूसरे ड्रोन एड्रोन की डिलीवरी रेंज 110 किलोमीटर तक है।ये दोनों मॉडल 5 किलो तक भार उठा सकते हैं।

कंपनी ने बताया कि अभी डिलीवरी में जितने ड्रोन उतारे जा रहे हैं, सभी में स्मार्ट लॉकर लगा होगा। डिलीवरी मंगाने वाले ग्राहक के पास एक ओटीपी जाएगा,इस डालकर स्मार्ट लॉकर खुलेगा। इससे डिलीवर हो रहे सामान की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। ड्रोन से डिलीवरी शुरू होने पर लोगों के समय की भी बचत होगी।

ये ड्रोन सिर्फ रिमोट लोकेशन में हीं नहीं, बल्कि शहरों के अपार्टमेंट में भी डिलीवरी करने वाले है। ये खुद से लोकेशन ट्रैक करने की टेक्नोलॉजी से लैस होगा। इसके अलावा डिलीवरी ड्रोन में रिमोट-आईडी और डिटेक्ट एंड अवॉयड जैसी न्यू-एज टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। यह ड्रोन को रास्ते में किसी उड़ती चीज या किसी बिल्डिंग आदि से टकराने से बचाएगा।अभी यह सुविधा मल्टीस्टोरी बिल्डिंग्स में शुरू होगी। संकरी गलियों में ड्रोन को ऑपरेट करने में दिक्कतें आ सकती हैं।इसमें मोहल्लों में ड्रोन से डिलीवरी की राह का सबसे बड़ा रोड़ा गलियों में तारों का जाल है।

# चीन में मिल सकते हैं इमरान खान और व्लादिमीर पुतिन, भारत को टेंशन!

बीजिंग (ईएमएस)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले महीने चीन में मुलाकात कर सकते हैं। दोनों देशों के नेता चीन में होने वाले बीजिंग विंटर ओलिंपिक का समर्थन करने के लिए अगले महीने चीन जाने वाले हैं। इस मौके पर पुतिन और इमरान के बीच द्विपक्षीय वार्ता हो सकती है। अमेरिका सहित कई पश्चिमी देशों ने बीजिंग विंटर ओलिंपिक का बहिष्कार किया है।इसके बाद इमरान और पुतिन चीन के साथ खड़े होकर अपनी एकता को प्रदर्शित करने की कोशिश करने वाले है। हालांकि, चीन और पाकिस्तान से रूस की नजदीकी बढ़ने से भारत की चिंताएं बढ़ सकती है।

बीजिंग विंटर ओलिंपिक चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए एक शक्ति प्रदर्शन भी है। यह कार्यक्रम 4 फरवरी से 20 फरवरी तक बीजिंग के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित होगा। रूस, चीन और पाकिस्तान का एक साथ आना पूरे एशिया की शांति और स्थिरता को प्रभावित करेगा है।रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पिछले साल इस्लामाबाद का दौरा कर हथियार देने तक का वादा किया था। वहीं, इमरान और व्लादिमीर पुतिन चार महीनों में कम से कम तीन बार फोन पर बात कर चुके हैं।

पाकिस्ताकी प्रधानमंत्री इमरान चीन से सीपीईसी से जुड़े प्रॉजेक्ट्स के लिए और अधिक फंड मांगने के लिए बीजिंग जाने वाले हैं। वह दुनिया के पहले नेता बन सकते हैं,जो महामारी शुरू होने के बाद चीन पहुंचने वाले है। पाकिस्तान ने दावा किया है कि उन्हें चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आमंत्रित किया है।दरअसल, पाकिस्तान में जारी राजनीतिक अस्थिरता और सीपीईसी में कार्यरत चीनी नागरिकों पर हमले से नाराज चीन ने कई परियोजनाओं की फंडिंग को रोक दिया है।

अफगानिस्तान में बिगड़ते हालात और एशिया में बनते जियो-पॉलिटिकल एनवायरमेंट को देखकर रूस और पाकिस्तान करीब आ रहे हैं। सितंबर में ही रूस के उप रक्षा मंत्री जनरल अलेक्जेंद्र वी फोमिन ने पाकिस्तान के अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को बढ़ाने के लिए बातचीत की थी। सितंबर से लेकर अबतक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कम से कम तीन बार बात भी कर चुके हैं। सितंबर में पाकिस्तानी सेना ने रूसी सेना के साथ द्रुजबा-2021 नाम का संयुक्त अभ्यास भी किया था।

# उ. कोरिया ने 7 दिन में दूसरी बार लांच की मिसाइल, दक्षिण कोरिया और जापान ने जताई आपत्ति

प्योंगयांग (ईएमएस)। उत्तर कोरिया ने एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार बैलिस्टिक मिसाइल का टेस्ट किया है, इसकी वजह से जापान और दक्षिण कोरिया की चिंताएं बढ़ गई हैं। दक्षिण कोरिया की सेना और जापान के तटरक्षक बल ने कहा है कि उत्तर कोरिया द्वारा फिर से मिसाइल दागा गया है। जापान सरकार के सूत्रों के अनुसार उत्तर कोरिया द्वारा दागा गया मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरा। किम जोंग उन के सेना से और अधिक सैन्य प्रगति करने का आग्रह करने के एक सप्ताह से भी कम समय में स्पष्ट रूप से यह दूसरी बार परीक्षण किया गया है। वहीं दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया की सेना ने भी बिना विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए ऐसी ही एक अनाम योजना पर काम शुरू कर दिया है।

परमाणु हथियार से लैस उत्तर कोरिया द्वारा किए गए परीक्षण ने नेता किम जोंग उन के नए साल के संकल्प को रेखांकित किया है, जिसमें उन्होंने दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ रुकी हुई बातचीत के बीच अस्थिर अंतरराष्ट्रीय स्थिति का मुकाबला करने के लिए सेना को मजबूत करने की बात कही थी। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका, फ्रांस, आयरलैंड, जापान, ब्रिटेन और अल्बानिया ने संयुक्त बयान जारी कर पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया द्वारा किए गए मिसाइल टेस्ट की निंदा की थी। इसके अलगे ही दिन मंगलवार को उत्तर कोरिया ने दूसरा मिसाइल टेस्ट कर दिया।

पिछले सप्ताह बुधवार को उत्तर कोरिया ने कहा था कि उसने एक हाइपरसोनिक मिसाइल दागी थी, जिसने एक लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेद दिया। परमाणु-सशस्त्र उत्तर कोरिया द्वारा शुरू किए गए परीक्षण ने दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ बातचीत रुकी हुई है। इस बीच अस्थिर अंतरराष्ट्रीय स्थिति का मुकाबला करने और सेना को मजबूत करने के लिए नेता किम जोंग उन ने नए साल पर इस संकल्प को रेखांकित किया था। जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा ने कहा हमें यह खेदजनक लगता है कि उत्तर कोरिया ने पिछले साल से मिसाइलें दागना जारी रखा है। किशिदा ने कहा उत्तर कोरिया के इस परीक्षण के बारे में अन्य विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं हैं कि संदिग्ध मिसाइल कहां गिरी और क्या कोई नुकसान हुआ।

अधिकारियों को उस क्षेत्र में जहाजों और विमानों की सुरक्षा की पुष्टि करने का आदेश दिया है, जहां संदिग्ध मिसाइल दागे जाने के बाद गिरने की संभावना थी। बता दें कि 4 जनवरी को उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था। मिसाइल ने 700 किमी (435 मील) दूर एक टारगेट को ठीक से हिट किया था। अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच वार्ता में 2019 से गतिरोध बना हुआ है, जब अमेरिका ने पाबंदियों में बड़ी राहत देने का उत्तर कोरिया के आग्रह को ठुकरा दिया था। अब किम सरकार बाइडन प्रशासन के वार्ता के अनुरोध को ठुकरा रही है, उसका कहना है कि पहले वॉशिंगटन अपनी शत्रुतापूर्ण नीतियों को छोड़े। विशेषज्ञों का मानना है उत्तर कोरिया अपने चिर प्रतिद्वंद्वियों पर उसे परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्वीकार करने और देश पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को कम करने के लिए अधिक दबाव डालने के इरादे से इस तरह के परीक्षण कर रहा है।

# अफगानिस्तान में मारा गया मोस्ट वांटेड टीटीपी आतंकी मोहम्मद खुरासानी

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान का मोस्ट वांटेड आतंकी खालिद बटली उर्फ मोहम्मद खुरासानी अफगानिस्तान के पूर्वी नंगरहार प्रांत में मारा गया है। मोहम्मद खुरसानी पाकिस्तान में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का एक वरिष्ठ नेता था। पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने उसके मारे जाने की पुष्टि की है। हालांकि अभी तक यह नहीं बताया गया है कि इसकी मौत कैसे हुई है। पाक अफसरों ने बताया कि 50 वर्षीय खुरासानी टीटीपी का प्रवक्ता भी था।

बताया जाता है कि वह पाकिस्तान के लोगों और सुरक्षाबलों पर हुए कई हमलों में भी शामिल रहा था। अधिकारियों ने दावा किया कि तालिबान के अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा करने के बाद वह अक्सर काबुल का दौरा कर रहा था। पाकिस्तान का दावा है कि वह टीटीपी सरगना मुफ्ती नूर वली महसूद के साथ अपने संगठन के अलग-अलग गुटों को एकजुट कर रहा था।

पाकिस्तान ने दावा किया है कि वह आतंकवादी हमलों की योजना भी बना रहा था। उसने हाल में ही पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी हमला करने की धमकी दी थी। गिलगित-बाल्टिस्तान का रहने वाला खालिद बटती ऊर्फ मोहम्मद खुरासानी पिछले कई सालों से टीटीपी का ऑपरेशनल कमांडर था। 2007 में वह स्वात में प्रतिबंधित तहरीक निफ़ाज़ शरीयत-ए-मुहम्मदी में शामिल हो गया और टीटीपी के पूर्व प्रमुख मुल्ला फ़ज़लुल्लाह के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित किया। मोहम्मद खुरासानी का सभी स्तरों के टीटीपी सदस्यों के साथ उनके सौहार्दपूर्ण और घनिष्ठ संबंध थे। उसने टीटीपी के प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अधिकारियों ने कहा खुरासानी खैबर पख्तूनख्वा के मिरामशाह शहर में एक आतंकवादी ठिकाना चलाता था और ऑपरेशन जर्ब-ए-अज़ब के बाद अफगानिस्तान भाग गया था। टीटीपी को पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है, जो अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर सक्रिय एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है। यह एक दशक से अधिक समय में पाकिस्तान में कई हमलों को अंजाम दे चुका है, जिनमें हजारों लोगों की मौत हुई है। यह कथित तौर पर अफगानिस्तान की सरजमीं का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी हमलों की साजिश रचने के लिए करता रहा है।

# केंद्र कर रहा नई रक्षा उत्पादन और निर्यात संवर्धन नीति बनाने की कवायद

'मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत' को गति देगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार नई रक्षा उत्पादन और निर्यात संवर्धन नीति बनाने की कवायद में लगी है। मोदी सरकार मेक इन इंडिया और आत्म निर्भर भारत जैसे प्रोग्राम को बढ़ावा देने के लिए रक्षा आयात परियोजनाओं पर रोक लगाने पर विचार कर रही है। सरकार की यह पहल ऐसे समय में आई है जब केंद्र नई रक्षा उत्पादन और निर्यात संवर्धन नीति लेकर आ रहा है जो देश के भीतर रक्षा उत्पादन को मजबूत करने और मित्र देशों को उनके निर्यात में मदद करने के लिए आगे का रास्ता तय करेगी।

सूत्रों ने बताया कि रक्षा मंत्रालय बुधवार को इस संबंध में एक उच्च स्तरीय बैठक करने जा रहा है, जिसमें वैश्विक श्रेणी के तहत आयात परियोजनाओं की समीक्षा की जाएगी। बैठक के बाद फैसला किया कोई बड़ा निर्णय जा सकता है। बाय ग्लोबल कैटेगरी का मतलब है कि रक्षा बल विदेशी कंपनियों से पूरी तरह से वस्तु का आयात कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि अब पहली वरीयता भारतीय विकसित डिजाइन और निर्मित (आईडीडीएम) उत्पादों के अधिग्रहण को दी जाएगी।

सूत्रों ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' के लिए प्रमुख जोर यह सुनिश्चित करने जा रहा है कि भारतीय निर्माताओं को कई हजार करोड़ की परियोजनाएं दी जाएंगी। इस निर्णय का मतलब यह होगा कि भारतीय नौसेना, वायु सेना और सेना की बड़ी संख्या में परियोजनाएं प्रभावित होंगी, जिनमें भारतीय नौसेना की कामोव हेलीकॉप्टर अधिग्रहण परियोजना जैसी काफी उन्नत अवस्था में हैं। सरकार के इस नए फैसले से लड़ाकू प्लेटफॉर्म, बंदूकें और जहाजों सहित विमान से संबंधित कई परियोजनाएं प्रभावित होने वाली हैं।

प्रधान मंत्री मोदी द्वारा तत्कालीन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत सहित रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने के बाद यह पहल आ रही है, जहां यह महसूस किया गया कि रक्षा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर भारत की ओर मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। बैठक के बाद रक्षा मंत्रालय के एक अतिरिक्त सचिव-रैंक के अधिकारी ने तीनों सेनाओं को एक नोट लिखा जिसमें कहा गया था कि ठसभी हितधारक सैद्धांतिक रूप से कॉल कर सकते हैं कि रक्षा वस्तुओं का कोई आयात आगे नहीं बढ़ रहा है।ठ इसमें कहा गया है, ठसभी पूंजीगत और राजस्व खरीद प्रस्तावित या वर्तमान में समीक्षा की जा रही है। यह समीक्षा 15 जनवरी तक पूरी की जानी है।ठ बता दें कि प्रधान मंत्री व्यक्तिगत रूप से रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं और समय-समय पर दोनों सेवाओं और रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि रक्षा में मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए और कदम उठाए जाएं।

# पड़ोसियों के प्रति चीन का व्यवहार भयावह, अपने साझेदारों के साथ खड़ा रहेगा अमेरिका : जेन सार्की

वाशिंगटन (ईएमएस)। भारत और अमेरिका को कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने, जलवायु परिवर्तन, चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) और नई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों समेत व्यापक पहलों पर साथ आगे बढ़ने की उम्मीद है। ह्वाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा जैसा कि आप जानते हैं कि पिछले सितंबर में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ह्वाइट हाउस में मेजबानी की थी और उनकी बैठक का मकसद अमेरिका-भारत संबंधों के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू करना था।

उस समय, दोनों नेताओं ने अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को लेकर अपने साझा दृष्टिकोण को साझा किया था और हम इस साल निकटता से मिलकर काम करना जारी रखेंगे। भारत के साथ लगती सीमा पर चीन के आक्रामक व्यवहार संबंधी एक और सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिका हालात पर लगातार नजर रख रहा है। उन्होंने कहा हम हालात पर निकटता से नजर रख रहे हैं। हम इन सीमा विवादों के वार्ता के जरिए तथा शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं। हम इस बात को लेकर स्पष्ट रहे हैं कि हम क्षेत्र में चीन के व्यवहार को किस प्रकार देखते हैं।

हमारा मानना है कि यह अस्थिर करने वाला हो सकता है और हम अपने पड़ोसियों को डराने की चीन की कोशिश से चिंतित हैं। साकी ने कहा हम इस मामले पर अपने साझेदारों के साथ खड़े रहेंगे। साकी से 2022 में भारत और अमेरिका के संबंधों के संदर्भ में बाइडन प्रशासन के एजेंडे पर सवाल किया गया था, जिसके जवाब में उन्होंने कहा आप उम्मीद कर सकते हैं कि हमारी सरकारें वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए सहयोग से लेकर, जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयास तेज करने, द्विपक्षीय तरीके से और क्वाड के जरिए काम करने, व्यापार एवं निवेश में सहयोग बढ़ाने, साइबर और नई एवं उभरती प्रौद्योगिकी तक व्यापक पहलों में आगे बढ़ेंगीं। साकी ने कहा हम हमेशा की तरह वार्ता जारी रखेंगे, हम हमारे लोगों के बीच गहरे संबंधों और हमारे संबंधों के आधार हमारे साझा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। निसंदेह, हम यहां से संबंधों को आगे बढ़ाएंगे।

## इजराइल ने ईरान को फिर दी धमकी, कहा हम किसी परमाणु समझौते को मानने को बाध्य नहीं

तेल अवीव (ईएमएस)। इजराइल ने ईरान को फिर धमकी दी है कि हम किसी भी परमाणु समझौते को मानने के लिए बाध्य नहीं है। अगर हमें कोई भी खतरा दिखाई देगा तो हमारे पास कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित है। ऐसे में ईरान और पश्चिमी देशों के बीच जारी परमाणु सुरक्षा समझौते (जेसीपीओए) पर फिर से पानी फिरने के आसार हैं। उधर, ईरान ने भी धमकी दी है कि अगर इजराइल कोई कार्रवाई करता है, तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने संसद नेसेट की विदेश और रक्षा मामलों की समिति को संबोधित करते हुए देश के एजेंडे को साफ किया।

उन्होंने कहा कि वियना में जारी परमाणु वार्ता के संबंध में हम निश्चित रूप से चिंतित हैं, इजराइल समझौतों का हिस्सा नहीं है। ऐसे में अगर कोई समझौता होता है तो इजराइल उन्हें मानने के लिए बाध्य नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि इजराइल कहीं भी एक्शन लेने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र भी है। ईरान को ऑक्टोपस का चीफ बताते हुए बेनेट ने कहा कि वह लगातार परदे के पीछे से धमकी दे रहा है।

बेनेट ने चेतावनी देते हुए कहा कि इजराइल की नीति खतरों से निपटने के लिए रक्षात्मक से आक्रामक होने की ओर शिफ्ट हो गई है। उन्होंने इजराइल की सुरक्षा स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा पहले से अच्छी और बेहतर हो रही है।

इजरायल के पूर्व और वर्तमान अधिकारी जेसीपीओए और देश की सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर एकमत नहीं है। उनका मानना है कि अगर इजराइल ने ईरान पर हमला किया तो जवाबी कार्रवाई के रूप में उसे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। इजरायल के पीएम बेनेट और उनके पूर्ववर्ती बेंजामिन नेतन्याहू ईरान के साथ परमाणु डील के सख्त खिलाफ हैं। अमेरिका के ईरान के साथ परमाणु डील से पीछे हटने में नेतन्याहू प्रशासन की भी बड़ी भूमिका थी।

# तालिबान सरकार को मान्यता देने से ईरान का फिर इनकार, कहा आधिकारिक रूप से अब तक नहीं दी मान्यता

तेहरान (ईएमएस)। ईरान ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता देने से फिर इनकार कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा उसने अभी भी तालिबान को पड़ोसी अफगानिस्तान की सरकार के रूप में आधिकारिक रूप से अब भी मान्यता नहीं दी है। एक दिन पहले ही तालिबान के विदेश मंत्री के नेतृत्व में इस आतंकी समूह का एक भारी-भरकम प्रतिनिधिमंडल ईरान के दौरे पर पहुंचा था। दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने आपसी संबंधों को लेकर तेहरान में लंबी बातचीत भी की है।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सईद खतीबजादेह ने कहा कि तालिबान के प्रतिनिधियों के साथ रविवार की उच्च स्तरीय वार्ता सकारात्मक थी। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान अभी भी तालिबान को आधिकारिक तौर पर मान्यता देने के मूड में नहीं है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति ईरान के इस्लामी गणराज्य के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है और अफगान प्रतिनिधिमंडल की यात्रा इन चिंताओं को हल करने के लिए ही थी।

तालिबान के प्रतिनिधिमंडल ने विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के नेतृत्व में ईरानी विदेश मंत्री विदेश मंत्री होसैन अमीरबदोल्लाहियन से मुलाकात की। अगस्त में काबुल पर तालिबान के कब्जे और अमेरिकी सेना की वापसी के बाद यह तालिबानी प्रतिनिधिमंडल का पहला ईरान दौरा था। काबुल के पतन के बाद ईरान की आधिकारिक स्थिति यह रही है कि वह तालिबान को तभी मान्यता देगा, जब वे समावेशी सरकार बनाने की कोशिश करेंगे।

ईरान और तालिबान तब से संपर्क में हैं, जब विशेष ईरानी दूत हसन काजेमी-कोमी ने हाल के महीनों में अफगानिस्तान की कई यात्राएं की हैं। रविवार की बैठक से पहले, दोनों पक्षों ने कहा कि वे राजनीतिक, आर्थिक, पारगमन और शरणार्थी मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार विदेश मंत्री अमीरबदुल्लाहियन ने बैठक के दौरान अफगानिस्तान में अमेरिका और उसके सहयोगियों के गलत नीतियों की आलोचना की। ईरान ने कहा कि अमेरिका को मानवीय आधार पर अफगानिस्तान पर लगाए गए अपने प्रतिबंधों को खत्म करना चाहिए। उन्हें अफगान लोगों और अर्थव्यवस्था की मदद करनी चाहिए।

ईरानी विदेश मंत्री ने यह भी वादा किया कि ईरान अपने पड़ोसी को मानवीय सहायता भेजना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के जोशीले लोगों के प्रयासों ने दिखाया कि कोई भी विदेशी शक्ति अफगानिस्तान पर कब्जा नहीं कर सकती है और उसके लोगों पर शासन नहीं कर सकती है।

## अच्छी खबर- कोरोना के ओमिक्रॉन वायरस से बचाव के लिए मार्च तक आएगी फाइजर की नई वैक्सीन

वॉशिंगटन (ईएमएस)। कोरोना के ओमिक्रॉन वायरस लगातार बढ़ते मामलों के बीच वैक्सीन निर्माता कंपनी फाइजर की ओर से अच्छी सूचना आ रही है। फाइजर इंक के चीफ एग्जिक्यूटिव एल्बर्ट बोर्ला का कहना है कि कंपनी कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को देखते हुए अपनी वैक्सीन को री-डिजाइन कर रही है। कंपनी को उम्मीद है कि ये नई वैक्सीन इस नए वैरिएंट पर कारगर साबित होगी। एल्बर्ट के मुताबिक इस वर्ष मार्च तक ये नई वैक्सीन लॉन्च कर दी जाएगी। बता दें कि महामारी शुरू होने के बाद से अमेरिका में लगातार कोरोना के रिकार्ड टूट रहे हैं।

एल्बर्ट के मुताबिक फाइजर के अलावा इस काम में उनकी सहयोगी कंपनी बायोएनटेक एसई भी लगी हुई है। दोनों कंपनियां एक ऐसी वैक्सीन को विकसित करने में लगी हैं जो ओमिक्रोन वैरिएंट पर पूरी तरह से कारगर हो, जिससे वैरिएंट के संक्रमण की रफ्तार को कम किया जा सके। एल्बर्ट ने इसका ऐलान जेपी मार्गन की सालाना हेल्थ केयर कांफ्रेंस में किया। पिछले वर्ष इस कांफ्रेंस को वर्चुअल तरीके से किया गया था।

गौरतलब है कि अमेरिका में दूसरी बार दस लाख से अधिक मामले रिकार्ड किए गए हैं जो कि एक रिकार्ड है। ऐसा तब हो रहा है जब अमेरिका में सबसे पहले वैक्सीनेशन शुरू हुआ था और बूस्टर डोज समेत बच्चों की वैक्सीन भी लगाई जा रही है। ऐसे में मामलों का इस कदर बढ़ना चिंता का सबब बना हुआ है। एल्बर्ट ने इस कांफ्रेंस के दौरान ये भी बताया कि वो वैक्सीन की हायर डोज पर भी काम कर रहे हैं। इसके अलावा भी कई दूसरी चीजों पर काम चल रहा है। उनके मुताबिक फाइजर अपनी नई वैक्सीन को लेकर काफी उत्साहित है और जल्द ही इसको यूएस रेगुलेटर्स से एप्रूवल के लिए आगे करेगा। इसके बाद उम्मीद है कि मार्च तक ये लान्च कर दी जाएगी। एल्बर्ट ने बताया कि फाइजर के पास इस वैक्सीन के उत्पादन के लिए पूरी क्षमता है। इसलिए इसको बड़ी मात्रा में तैयार करने में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

# अमेरिकी डॉक्टरों ने रचा इतिहास, दुनिया में पहली बार इंसान को लगाया सुअर का दिल

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के मेरीलैंड हॉस्पिटल में, एक इंसान की जान बचाने के लिए डॉक्टरों ने अंतिम प्रयास के रूप में, सुअर का हार्ट ट्रांसप्लांट किया है और आश्चर्यजनक रूप से मरीज के शरीर ने इसे स्वीकार कर लिया है। स्पताल ने सोमवार को बताया कि जिस मरीज को यह सूअर का हार्ट लगाया गया, वह इस अपनी तरह की दुनिया की पहली सर्जरी के 3 दिन बाद बहुत अच्छा महसूस कर रहा है।

इस सफलता के बाद भी अभी यह कहना जल्दबाजी होगा कि उस व्यक्ति का दिल आगे भी अच्छी तरह काम करता रहेगा या नहीं। लेकिन इस ऑपरेशन के बाद लंबे समय से इंसान के अंदर जानवरों के अंग प्रत्यारोपित करने के प्रयासों की दिशा में चिकित्सक एक कदम आगे बढ़ गए हैं। मेरीलैंड मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों ने कहा यह ट्रांसप्लांट दिखाता है कि एक जेनेटिकली मॉडिफाइड पशु का हार्ट इंसान के शरीर में काम कर सकता है, वह भी तुरंत खारिज किए बिना। मरीज का नाम डेविड बेनेट है और उनकी उम्र 57 साल है।

मरीज डेविड को यह बताया गया है कि उनके अंदर सुअर का हार्ट लगाया गया है। उनके बेटे ने बताया कि पिता जी यह जानते हैं कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह प्रयोग सफल होगा, लेकिन उनकी जान बचाने के लिए डॉक्टरों के पास और कोई उपाय नहीं था। बेनेट ने इस सर्जरी से एक दिन पहले कहा था यह या तो मौत या ट्रांसप्लांट का मामला है। मैं जिंदा रहना चाहता हूं। मैं जानता हूं कि यह अंधेरे में तीर चलाने जैसा है, लेकिन यह मेरा अंतिम विकल्प है। दुनिया में प्रत्यारोपण के लिए मानव अंगों की भारी कमी है। इसी वजह से वैज्ञानिक अब पशुओं के अंग इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले साल ही अमेरिका में 3800 हार्ट ट्रांसप्लांट किए गए थे, जो अपने आप में रेकॉर्ड है। मेरीलैंड सेंटर के एनिमल से इंसान में ट्रांसप्लांट के विशेषज्ञ डॉक्टर मुहम्मद मोहिउद्दीन कहते हैं अगर यह विधि काम करती है तो मनुष्य के उपचार में क्रांति का सकती है।

# गुजरात में बेकाबू हो चुके कोरोना के ७४७६ नए मरी, २७०४ हुए ठीक, ३ मरीजों की मौत

अहमदाबाद ( ईएमएस ) गुजरात में बेकाबू हो चुके कोरोना संक्रमण से स्पष्ट हो गया है कि राज्य में तीसरी लहर शुरू हो गई हैं कोरोना के रोजाना के मामलों में प्रति दिन एक हजार से अधिक केसों की वृद्धि हो रही हैं सोमवार को राज्य में कोरोना के ६०९७ नए केस दर्ज हुए थे, वहीं मंगलवार को नए केसों की संख्या ७४७६ पर पहुंच गई वहीं २७०४ लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया जबकि ३ मरीजों की कोरोना से मौत हो गई राज्य में ३.३० लाख से अधिक नागरिकों का टीकाकरण किया गया स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले २४ घंटों में सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में २८६१ नए मामले दर्ज हुए हैं सूरत कॉर्पोरेशन में १९८८, वडोदरा कॉर्पोरेशन में ५५१, राजकोट कॉर्पोरेशन में २४४, वलसाड में १८९, भावनगर कॉर्पोरेशन में १३६, सूरत में १३६, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में १३५, कच्छ में १२१, मेहसाणा में १०८, भरुच में ९२, आणंद में ८८, जामनगर कॉर्पोरेशन में ८२, राजकोट में ७५, खेडा में ७१, नवसारी में ६९, मोरबी में ५७, साबरकांठा में ५६, वडोदरा में ५५, गांधीनगर में ४७, जामनगर में ४७, अहमदाबाद में ४२, सुरेन्द्रनगर में ४२, पंचमहल में २४, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में २३, अमरेली में २१, बनासकांठा में २१, महीसागर में २०, गिर सोमनाथ में १९, भावनगर में १६, देवभूमि द्वारका में १५, दाहोद में ९, नर्मदा में ५, अरवल्ली में ३, जूनागढ़ में ३, तापी में ३, डांग में १ समेत राज्यभर में कोरोना के कुल ७४७६ नए मरीज मिले हैं बोटाद, छोटाउदेपुर और पाटन में कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं हैं पिछले २४ घंटों में वलसाड, सूरत और पोरबंदर में १-१ समेत राज्य में तीन मरीजों की कोरोना से मौत हो गई राज्य में कोरोना अब तक १०१३२ मरीजों की निगल चुका हैं वहीं २७०४ मरीजों के डिस्चार्ज होने के साथ ही राज्य में कोरोना को अब तक कुल ८२८४०६ लोग मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं राज्य में कोरोना के ३७२३८ सक्रिय मरीजों में ३७२०४ स्टेबल हैं और ३४ मरीज वेन्टीलेटर पर हैं दूसरी ओर राज्य टीकाकरण अभियान भी मजबूती के साथ चल रहा हैं मंगलवार को राज्यभर में ३३००७४ नागरिकों का टीकाकरण किया गया जिसमें ३८ हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और ६२३ को दूसरा डोज दिया गया ४५ वर्ष से अधिक आयु के १०६९१ को कोरोना का पहला और २४५३२ लोगों को दूसरा टीका लगाया गया १८ से ४५ वर्ष आयु समूह के ५५३३८ को पहली और ६८०६९ लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई वहीं १५ से १८ वर्षीय ४१६११ किशोरों का पहला डोज दिया गया इसके अलावा १२९१७१ नागरिकों को प्रिकोशन डोज दिया गया हैं राज्य में अब तक ९ करोड़ ३८ लाख ३१ हजार ६६८ नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

## राज्य में ३३०० विद्या सहायकों की भर्ती की जाएगी : शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी

अहमदाबाद ( ईएमएस ) गुजरात के शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने राज्य में ३३०० विद्या सहायकों की जल्द भर्ती किए जाने की घोषणा की हैं जिसमें कक्षा १ से कक्षा ५ के लिए १३०० और कक्षा ६ से कक्षा ८ के लिए २००० विद्या सहायकों की भर्ती की जाएगी उन्होंने कहा कि जल्द ही भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी और इसका लाभ टेट पास करनेवाले उम्मीदवारों को मिलेगा इस मौके पर जीतु वाघाणी ने डिप्लोमा कॉम्युनिकेशन के नया पाठयक्रम शुरू करने की भी घोषणा की हैं डिप्लोमा कॉम्युनिकेशन कोर्ष वडनगर, अमरेली और मोरबी में शुरू किया जाएगा लड़कियों के लिए पॉलिटेकनिक कॉलेजों में भी डिप्लोमा कोर्ष किया जाएगा इस कोर्ष के प्रारंभ होने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल भारत का सपना साकार होगा शिक्षा मंत्री ने कहा कि गुजरात में अध्ययनरत कॉलेज के विद्यार्थियों को मामूली कीमत पर अब टेब्लेट उपलब्ध होगा टेब्लेट में कोई क्षति नहीं रहे इसके लिए ईपीडीसी में टेस्ट भी कराया गया था और उसकी तकनीकि कमियों को दूर किया गया हैं उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को प्रति महीने एक लाख टेब्लेट का वितरण किया जाएगा और यह काम जल्द शुरू किया जाएगा

## समुद्र में डूबने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

सूरत ( ईएमएस ) गुजरात में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है, इसके बावजूद लोग बेखौफ होकर घूम रहे हैं वीकेन्ड हो या सार्वजनिक अवकाश मिलते ही लोग सैर-सपाटे को निकल जाते हैं इन सबके बीच एक दुःखद घटना सामने आई है, जिसमें एक परिवार के तीन लोगों की समुद्र में डूबने से मौत हो गई तीनों लोग सूरत के डाभा गांव के निवासी थे जानकारी के मुताबिक डाभा गांव निवासी दीपक सुका आहिर, स्मित दीपक आहिर और जितेन्द्र धनसुख आहिर सूरत के पनामा में समुद्र किनारे घूमने गए थे एक ही परिवार के तीन लोग समुद्र के पानी में मस्ती कर रहे थे, उस वक्त तेज लहर आ गई तीनों लोग संभलते उससे पहले ही लहर तीनों को बहा ले गई इस घटना में तीनों लोगों की समुद्र में डूबने से मौत हो गई

## देश में गोडसे विचारधारा थोपने वालों को कभी सफल नहीं होने देगी कांग्रेस : अमित चावडा

अहमदाबाद ( ईएमएस ) गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अमित चावडा ने आज कहा कि भाजपा के शासन में गुजरात और वह भी गांधी-सरदार की भूमि पर गांधी विचार को खत्म कर गोडसे विचारधारा का जो शासन चल रहा है, उसका प्रत्यक्ष प्रमाण है जामनगर में कुछ हिन्दू सेना के नाम पर भाजपा समर्पित लोगों द्वारा गोडसे की प्रतिमा स्थापित की जाती है और ढिंढोरा पीटा जाता है कि हम गोडसे की प्रतिमा प्रस्थापित करेंगे कानून के खिलाफ जाकर प्रतिमा प्रस्थापित किए जाने के बावजूद भाजपा सरकार के नेता और उनका प्रशासन मूकदर्शक बनकर गांधी की भूमि पर गांधी के हत्यारे गोडसे की प्रतिमा स्थापित करने देता हैं अभिनंदन की पात्र है जामनगर की जनता जिसने गांधी के हत्यारे गोडसे की प्रतिमा तोड़ने के अभियान का समर्थन कर साबित कर दिया है कि गुजरात की जनता इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेगी अमित चावडा ने कहा कि गांधी की भूमि पर उनके हत्यारे गोडसे की प्रतिमा आज जामनगर में लगाई जाती है, कल गुजरात के किसी भी कोने में लगाने का प्रयास किया जाएगा यदि ऐसा कोई भी प्रयास किया जाता है तो कांग्रेस कार्यकर्ता और गुजरात की जनता उसे कभी सफल नहीं होने देगी ऐसी कोई हिम्मत करेगा तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा गुजरात समेत देशभर में गांधी विचारधारा पर गोडसे की विचारधारा प्रस्थापित करने वालों के उद्देश्यों को कांग्रेस कार्यकर्ता और गुजरात की जनता कभी पूरा नहीं होने देगी ऐसा हीन कृत्यों का विरोध करना प्रत्येक भारतीयों का कर्त्तव्य हैं

## गुजरात में कड़ाके की ठंड, १२ शहरों का न्यूनतम तापमान १० डिग्री से नीचे पहुंचा

अहमदाबाद ( ईएमएस ) उत्तर भारत में हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में कडाके की ठंड पड़ रही हैं गुजरात में ठंड बढ़ने से लोग गर्म कपड़े और अलाव का सहारा ले रहे हैं राज्यभर में ठंड का पारा लुढक गया हैं अहमदाबाद समेत राज्य के १२ शहरों का न्यूनतम तापमान १० डिग्री से नीचे पहुंच गया हैं कच्छ के नलिया में सबसे अधिक ठंड महसूस की गई, जहां न्यूनतम तापमान ६.२ डिग्री दर्ज हुआ मौसम विभाग के मुताबिक आगामी २ दिनों के दौरान राज्य में ठंड का जोर बरकरार रहेगा जिसके पश्चात ठंड धीरे धीरे कम होगी अगले दो दिन कच्छ, अहमदाबाद, गांधीनगर, बनासकांठा, पाटन में कड़ाके की ठंड पड़ेगी

# विरोध के बावजूद कांग्रेस ने शहजादखान को बनाया अहमदाबाद मनपा में विपक्ष का नेता

अहमदाबाद ( ईएमएस ) भारी विरोध और विवाद के बीच कांग्रेस ने अहमदाबाद महानगर पालिका में बतौर विपक्ष नेता शहजादखान पठान को बना दिया जबकि नीरव बख्शी को को उप नेता और जगदीश राठौड़ को दंडक नियुक्त किया हैं शहजादखान पठान अहमदाबाद के दाणीलीमडा वार्ड से पार्षद हैं जबकि नीरव बख्शी शहर के दरियापुर वार्ड से और जगदीश राठौड अमराईवाडी वार्ड से नगर पार्षद हैं गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर ने निरीक्षकों के साथ चर्चा की और उसके बाद गुजरात कांग्रेस के प्रभारी डॉ. रघु शर्मा से बातचीत के बाद शहजादखान पठान को विपक्ष का नेता बनाने का फैसला किया बिता दें कि शहजादखान अहमदाबाद महानगर पालिका में विपक्ष के नेता बनाए जाने का कांग्रेस १० नगर पार्षद विरोध कर रहे थे और इस मुद्दे पर इस्तीफा भी दे दिया था जिसके बाद पार्टी हाईकमांड ने ४ नगर पार्षदों को अनुशासनहीनता का नोटिस दिया और ७ दिन के भीतर अपना जवाब देने का आदेश दिया था भारी विरोध और विवाद के बीच कांग्रेस हाईकमांड ने आज शहजादखान पठान को महानगर पालिका में विपक्ष का नेता नियुक्त कर दिया शहजाद को विपक्ष का नेता बनाए जाने के विरोध में कई नगर पार्षदों के बगावत की संभावनाओं के बावजूद कांग्रेस हाईकमांड ने किसी की नहीं सुनी कांग्रेस की महिला नगर पार्षद ने शहजादखान पर गंभीर आरोप लगाए थे पार्टी हाईकमांड से लेकर प्रियंका गांधी तक शिकायत की गई थी बाद में कांग्रेस के पार्षदों ने इस्तीफा भी दे दिया लेकिन कांग्रेस प्रमुख पर कोई असर नहीं हुआ अहमदाबाद महानगर पालिका में कांग्रेस के २४ नगर पार्षद हैं और अगर १० पार्षद इस्तीफा दे देते हैं तो कांग्रेस के हाथ से विपक्ष का नेता पद निकल सकता हैं

## नवनियुक्त प्रमुख विश्वनाथसिंह वाघेला आज संभालेंगे गुजरात युवा कांग्रेस की कमान

अहमदाबाद ( ईएमएस ) गुजरात युवा कांग्रेस की कमान विश्वनाथसिंह वाघेला को सौंपी गई हैं विश्वनाथसिंह वाघेला बुधवार को पदभार संभालेंगे इस मौके पर युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रमुख बीवी श्रीनिवास, गुजरात कांग्रेस के प्रभारी डॉ. रघु शर्मा, गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर, कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुखराम राठवा, गुजरात प्रदेश के पूर्व प्रमुख भरतसिंह सोलंकी, अर्जुन मोढवाडिया, सिद्धार्थ पटेल, अमित चावडा और पूर्व विपक्षी नेता परेश धानाणी, राज्यसभा के सांसद शक्तिसिंह गोहिल, सेवादल के राष्ट्रीय प्रमुख लालजी देसाई, कांग्रेस सोशल मीडिया के प्रमुख रोहन गुप्ता, एआईसीसी के पूर्व महासचिव दीपक बाबरिया उपस्थित रहेंगे गुजरात युवक कांग्रेस के प्रमुख पद के शपथ ग्रहण समारोह में राजस्थान, मध्य प्रदेश और मुंबई युवक कांग्रेस के प्रमुख भी मौजूद रहेंगे इस मौके पर पिछले १० वर्ष से युवक कांग्रेस को मजबूत करने वाले पूर्व प्रमुख मिहिर शाह, इंद्रविजयसिंह गोहिल, मानसिंह डोडिया और गुलाबसिंह राजपूत को युवक कांग्रेस की नवनियुक्त टीम सम्मानित करेगी

### महिलाओं को हो रही है अच्छी कमाई

# विदेशियों को भी वढवाणी रायता मिर्ची का चस्का लगा

## यह मिर्च सोडा अब गुजरात तक सीमित नहीं रहने पर दुबई, इंग्लैंड तथा अमेरिका तक पहुंच गई है

राजकोट, ११ जनवरी।

सर्दी हो और गुजरातियों के घर में वढवाणी रायता मिर्च नहीं बने ऐसा संभव नहीं है। वढवाणी मिर्च का जबकि अचार बनता हो तब इसकी सोडम पूरे घर में फैल जाती है।

हालांकि, यह मिर्च की सोडम अब गुजरात तक सीमित नहीं रहने पर दुबई, इंग्लैंड तथा अमेरिका तक पहुंच गई है। विदेश में भी वढवाणी रायता मिर्च की इतनी मांग है कि गृहउद्योग चलाती महिलाओं को इसके अच्छी ऐसी कमाई हो रही है। सुरेन्द्रनगर के वढवाण में ही वर्धमानगृह उद्योग द्वारा वढवाणी रायता मिर्च की बिक्री द्वारा महिलाओं को रोजगारी दी जा रही है। हर वर्ष सीजन में २ हजार मण रायता मिर्च के उत्पादन के द्वारा यहां की कई महिलाओं को आय मिलने लगी है। वर्तमान गृह उद्योग की पन्नाबहन शुक्ला ने बताया है कि, उनके गृह उद्योग में खाखरा, पापड तथा अचार सहित की वस्तुएं बनती है। लेकिन जबकि वढवाणी मिर्च की सीजन चल रही हो तब रायता मिर्च बनाकर बेचते है। रायता मिर्च की सीजन नवंबर से फरवरी तक चलती है। वढवाणी मिर्च की बिक्री गुजरात के अलावा महाराष्ट्र, कोलकाता तथा साउथ के राज्यों में भी होता है और अब तो विदेश में भी इसकी जबरदस्त मांग है। हर वर्ष ३ हजार मण मिर्च बेची जाती है और इसके द्वारा १८ लाख से ज्यादा की आय होती है। वढवाणी मिर्च का रायता वाला करके इसकी बिक्री के द्वारा ५० से ज्यादा महिलाएं रोजगारी पाने लगी है। महिलाएं घरकाम सहित के काम पूरा करने के बाद फिजूल के समय में जॉबवर्क के द्वारा रोजाना ३०० से ५०० रुपया कमाते है। गृह उद्योग जरूरतमंद महिला, विधवा महिलाओं को भी रोजगार देता है। इसके अलावा उनके हेल्थ और बच्चों की पढ़ाई के लिए संस्था के कार्यकर्ता भी है। वढवाणी मिर्च को विदेशी तक पहुंचाने के लिए अपनी क्वॉलिटी और पैकिंग पर भी पूरा ध्यान रखा जाता है। रायता मिर्च के लिए उच्च क्वॉलिटी की सामग्री इस्तेमाल की जाती है। जिसकी वजह से वह लंबे समय तक अच्छा रहता है।

### उत्साहित गुजराती को इस वर्ष में उत्तरायण महंगी पड़ेगी

# पतंग-डोर की कीमत में २५ से ३० फीसदी की कीमत वृद्धि हुई

## इस महंगाई का सामना कर रहे मध्यम वर्ग के लिए उत्तरायण में पतंग की मजा लेना भी महंगा होगा

वडोदरा, ११ जनवरी।

उत्तरायण का त्यौहार को अब चार दिन बाकी रहे है। पतंग शौकीनों ने पहले तैयारी कर ली है। पतंग और डोर की कीमत में २५ से ३० फीसदी की कीमत वृद्धि हुई है।

कच्चा माल महंगा होने पर पतंग और डोर के व्यापारियों ने भी कीमत वृद्धि की है। महंगाई की मार के साथ कोरोना इफेक्ट से उत्तरायण का पर्व फीका रहे ऐसी स्थिति पैदा हो गई है। इस महंगाई का सामना कर रहे मध्यम वर्ग के लिए उत्तरायण में पतंग की मजा लेना भी महंगा होगा। इस वर्ष मकरसंक्रांति पहले पतंग-डोर की कीमतों में भी भारी वृद्धि होने पर पतंग शौकीनों के लिए उत्तरायण में पतंग उड़ाना भी महंगा होगा यह जानकारी मिली है। इसी वजह से इस महंगाई का सामना कर रहे आम लोगों के लिए उत्तरायण में पतंग की मजा लेना भी महंगा हो जाएगा।

हाल शहर में पतंग-डोर की स्टोल शुरू हो गई है, लेकिन इस वर्ष पतंग की कीमत में २५ फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। हर वर्ष की तुलना में हाल पतंग महंगी है। अब वडोदरा में उत्तरायण त्यौहार के मौके पर पतंग बाजार में भीड़भाड़ देखने को मिली है। लोग नई पतंग की खरीदी करने के लिए बाजार में पहुंच रहे है। बाजार में छोटी-बड़ी, सस्ती, महंगी हर एक प्रकार की पतंग उपलब्ध है। बाजार में सबसे महंगी पतंग १५०० रुपये की पांच नंग बेची जा रही है। प्लास्टिक की २० नंग पतंग की कीमत ५० रुपया है। इसके साथ सबसे महंगी डोर १५ हजार वार की दो हजार रुपये की बेची जा रही है। उल्लेखनीय है कि बाजार में छोटे से बड़ा और सस्ते से लेकर महंगी पतंग उपलब्ध है। इस वर्ष उत्तरायण पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फिल्म कलाकारों की पतंग देखने को मिल रही है। उत्तरायण के त्यौहार को अब कुछ ही दिन बाकी है। अब बाजार में कई वेराइटी के पतंग देखने को मिल रहे हैं। इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कोरोना वायरस और इसके सावधानी के कदम तथा व्यसन मुक्ति और सीडीएस बीपिन रावत अमर रहे के सूत्रों सहित के कई समाज को संदेश देती पतंगों को तैयार किया गया है।

## मांडवी में नाव पलटने से १० डूबे, दो लोगों की मौत, ३ बचाए गए, ५ की तलाश जारी

सूरत ( ईएमएस ) सूरत के मांडवी में नाव पलटने से १० लोग पानी में डूब गए जिसमें तीन लोगों को बचा लिया गया, जबकि २ लोगों की पानी में डूबकर मौत हो गई अन्य ५ लोगों की पानी में तलाश की जा रही हैं जानकारी के मुताबिक सूरत जिले की मांडवी तहसील के देवगिरी गांव निवासी १० लोग नाव में सवार होकर आमली गांव के निकट डेम के टीले पर घास काटने में जा रहे थे उस वक्त अचानक नाव पलटी खा गई और सभी १० लोग पानी में डूबने लगे सूचना पाते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड का काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया १० में से ३ लोगों को बचा लिया गया हैं जबकि २ लोगों की पानी में डूबकर मौत हो गई स्थानीय तैराक और फायर ब्रिगेड के जवान शेष ५ लोगों की तलाश कर रहे हैं हांलाकि अब तक सफलता नहीं मिला

## सूरत में गैस त्रासदी में क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

सूरत, ११ जनवरी।

सूरत के सचिन जीआईडीसी गैस त्रासदी में क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई की हिकल कंपनी के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार ५० वर्षीय मनसुख गोकुल पटेल, ४८ वर्षीय अभय सुरेश दांडेकर और ४९ वर्षीय मच्छिंद्रनाथ मुरलीधर गौर्हे को गिरफ्तार किया गया है। मनसुख कंपनी में सस्टेनेबिलिटी एंड कॉरपोरेट ईएचएस हेड हैं। अभय कंपनी में सप्लाई चैन विभाग के जनरल मैनेजर हैं, वहीं मच्छिंद्रनाथ कंपनी में क्रॉप प्रोडक्शन डीविजन के ईएचएस हेड हैं। जांच में पता चला कि इन सभी आरोपियों ने महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की गाइडलाइन के खिलाफ संगम एनवायरो प्राइवेट लिमिटेड को केमिकल दिया था। इसके अलावा सचिन जीआईडीसी के बजरंग कंपनी के डायरेक्टर रमण बारिया को भी गिरफ्तार किया गया है। रबड़ की कंपनी से जहरीला केमिकल वेस्ट अवैध तरीके से खुले में छोड़ा गया था। सचिन में पिछले दिनों खाड़ी में जहरीला केमिकल छोड़ते समय ६ लोगों की मौत हो गई थी, जबकि २४ लोग बेहोश हो गए थे। पुलिस ने एक दिन पहले ही कार्रवाई करते हुए संगम एनवायरो कंपनी के दो साझेदार और दो यार्न व्यापारियों को गिरफ्तार किया था। घटना के बाद मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई थी। क्राइम ब्रांच की टीम जांच कर रही है। माफियाओं द्वारा शहर में बेरोकटोक जहरीली केमिकल छोड़ा जाता है। सचिन गैस त्रासदी में घायल १० मरीजों को सोमवार को डिस्चार्ज किया गया। मरीज पूरी तरह से स्वस्थ हो गए थे, अब ऑब्जर्वेशन के बाद ही डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब इससे पहले शनिवार को ५ मरीजों को डिस्चार्ज किया गया था। अब सिविल में अभी नौ मरीजों का इलाज चल रहा है, अब जिसमें टैंकर ड्राइवर भी है। ड्राइवर की हालत स्थिर है, उसे ऑक्सीजन पर रखा गया है। सोमवार को सुनील भाई, सत्येंद्र चौधरी, जीतू सिंह, बृजेंद्र सिंह, गरीबन दास, दुखी श्याम, अशोक तिवारी, राजू, संजय सरोज और अवधेश प्रजापति को डिस्चार्ज किया गया है।

## उत्तर मध्य रेलवे के नैनी-प्रयागराज छिवकीसेक्शन में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण अहमदाबाद-पटना सुपरफास्ट क्लोन स्पेशल ट्रेन निरस्त रहेंगी

उत्तर मध्य रेलवे के नैनी-प्रयागराज छिवकीसेक्शन के बीच तीसरी लाइन के संबंध में नैनी स्टेशन के नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण अहमदाबाद-पटना सुपरफास्टक्लोनस्पेशल ट्रेन निरस्त् रहेंगी। इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः-

निरस्त् ट्रेनेंः

1. 12 जनवरी 2022 की ट्रेन नंबर 09447 अहमदाबाद-पटना सुपरफास्टस्पेशल

2. 14 जनवरी 2022 की ट्रेन संख्या 09448 पटना-अहमदाबाद सुपरफास्टस्पेशल

## अहमदाबाद मण्डल के रेलवे सुरक्षा बल द्वारा कोरोना से बचाव हेतु यात्रियों को किया जा रहा है जागरूक

अहमदाबाद में कोविड-19 के बढ़ते हुए केसों को देखते हुए अहमदाबाद मण्डल का रेल सुरक्षा बल अपनी ओर से यात्रियों को इस महामारी के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में जागरूक करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है।

यात्रियों में जागरूकता लाने के लिए अहमदाबाद मण्डल का रेल सुरक्षा बल मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रा के दौरान यात्रियों को कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करने के लिए जागरूक करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चला रहा है। यह अभियान कोविड मामलों में वृद्धि को देखते हुए चलाया जा रहा है। आरपीएफ स्टाफ द्वारा यात्रियों को मास्क के इस्तेमाल, हैंड सैनिटाइजेशन और सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में जागरूक किया जा रहा है। यात्रियों को बैनर, पैम्पलेट और लाउड स्पीकर के माध्यम से इस विषय में जागरूक एवं शिक्षित किया जा रहा है। तथा सेगवे मशीन डयूटी स्टाफ के द्वारा भी यात्रियों को सतर्कता बरतने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे अपने यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के दौरान हर समय कोविड के अनुरूप व्यवहार का पालन करें तथा सुरक्षित रहें।

## मंडल रेलवे हॉस्पिटल साबरमती में कोविड 19 से बचाव हेतु प्रिकॉशन ( बूस्टर ) डोज लगाने की गई शुरुआत

अहमदाबाद में कोविड-19 के बढ़ते हुए केसों की संख्या को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के मंडल रेलवे अस्पताल,साबरमती में कोविड-19 से बचाव हेतु प्रिकॉशन ( बूस्टर ) डोज लगाने की शुरुआत की गई है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री तरुण जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि अहमदाबाद में बढ़ते हुए कोरोना के केसों को ध्यान में रखते हुए मण्डल के रेल कर्मचारियों और उनके परिजनों को कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए मंडल रेल हॉस्पिटल साबरमती में 60 वर्ष से अधिक उम्र के सभी नागरिकों के लिए, फ्रंटलाइन वर्कर्स एवं चिकित्सा कर्मियों के लिए बूस्टर डोज लगाई जा रही है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री जैन ने सभी कर्मचारियों को कोविड 19 के संक्रमण से बचाव हेतु मास्क के इस्तेमाल, हैंड सैनिटाइजेशन और सोशल डिस्टेंसिंग पालन तथा भारत सरकार द्वारा जारी कोविड गाइडलाइंस का पालन करने तथा सभी चिकित्सा कर्मियों एवं फ्रंट लाइन वर्कर्स को बूस्टर डोज लगाने की सलाह दी।

## 15 जनवरी से वांकानेर-मोरबी के बीच चलेंगी 2 डेमू स्पेशल अनारक्षित ट्रेनें

यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे ने 15 जनवरी, 2022 से अगली सूचना तक वांकानेर-मोरबी के बीच प्रतिदिन 2 डेमू स्पेशल अनारक्षित ( ल्हींन् ) ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के अनुसार इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1 ) ट्रेन नंबर 09562 मोरबी-वांकानेर डेमू स्पेशल ( दैनिक )

ट्रेन नंबर 09562 मोरबी-वांकानेर स्पेशल प्रतिदनि सुबह 06.00 बजे मोरबी से रवाना होगी और उसी दिन सुबह 06.45 बजे वांकानेर पहुंचेगी। यह ट्रेन नज़रबाग, रफालेश्वर और मकनसर स्टेशनों पर रुकेगी।

2 ) ट्रेन नंबर 09441 वांकानेर-मोरबी डेमू स्पेशल ( दैनिक )

ट्रेन नंबर 09441 वांकानेर-मोरबी स्पेशल प्रतिदिन वांकानेर से सुबह 07.10 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन सुबह 07.55 बजे मोरबी पहुंचेगी। यह ट्रेन मकनसर और नज़रबाग स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेनों के ठहरावों और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

## सहारा श्री की हुई न्यूरोलॉजिकल ( ब्रेन ) सर्जरी

मुंबई, 10 जनवरी, 2022:सहारा श्री सुब्रतरॉय सहारा की 6 जनवरी, 2022 कोमुंबई के कोकिलाबेन हॉस्पिटल में सफलता पूवर्क डॉक्टर मनीष श्रीवास्तव द्वारा न्यूरोलॉजिकल ( ब्रेन ) सजर्री की गई।

हाल ही में उन्हें मस्तिष्क सम्बन्धी रोग की शिकायत हुई थी। उन्हें ब्रेनकॉइलिंग करवाने की सलाह दी गई थी। यह प्रक्रियास्टंट व एंडोसेक्यूलर डिवाइस लगाकर की गई।

सहारा श्री सुब्रतरॉय सहारा अब स्वस्थ हैं और उन्हें आज हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई है।सहाराश्री ने शीघ्रस्वास्थ्य लाभ हेतु कोकिलाबेन हॉस्पिटल के डॉक्टरों व स्टॉफ तथा वहां की चिकित्सा सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसाकी।

### सरकार के आदेश बाद प्रशासन की कड़ी कार्रवाई

## कोरोना की वजह से लॉकडाउन आये या नहीं आये पान के गल्ले बंद होंगे

### एक समय ऐसा आ गया था कि ५ रुपये में मिलती पैकेट ५० रुपये में बिकने लगी थी

गांधीनगर, ११ जनवरी।

गुजरात में पहले कोरोना की वजह से लगा लॉकडाउन के दौरान पान के गल्ले बंद रहे थे जिसकी वजह से तंबाकू, मसाला, सिगरेट और गुटखा सहित की प्रॉडक्ट के व्यसनीयों के लिए बदतर स्थिति पैदा हो गई थी। एक समय ऐसा आ गया था कि ५ रुपये में मिलती पैकेट ५० रुपये में बिकने लगी थी। कालाबाजारी चल रही थी। इसके बाद लॉकडाउन खुला और स्थिति सामान्य हो गई थी। लेकिन कालाबाजारी करने का आदी हो गये होलसेल के व्यापारियों और गल्ले धारकों ने सामान्य स्थिति होने पर भी प्रॉडक्ट पर एमआरपी से पैसा ज्यादा लेने का चालू रखा था। ऐसी शिकायतें बडे पैमाने में मिलने की वजह से आखिर में सरकार ने तोलमाप विभाग द्वारा ऐसे कई गोदाम और पान के गल्ले पर छापेमारी की गई थी। गुजरात में पान पार्लर में सिगरेट- इम्पोर्टेड सिगरेट पर भारत सरकार द्वारा घोषित किए गए स्वास्थ्य के संबंधित योग्य चेतावनी बिना या एमआरपी से ज्यादा पैसे वसूलने की शिकायत की वजह से अन्न नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा छापेमारी की गई थी। इस मामले में ८५ हजार जितने पान पार्लर और प्रॉडक्ट के होससेलरों पर छापेमारी की गई थी। प्रॉडक्ट पर छापी गई एमआरपी के साथ छेड़छाड़ करके ज्यादा कीमत वसूलने और अन्य नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की गई थी। यह सभी माल जब्त करने के अलावा जुर्माना लगाने सहित की कड़ी कार्रवाई की गई थी। हाल तो यह कार्रवाई बाद सिगरेट की ज्यादा कीमत वसूल रहे गल्ला धारकों में भय फैल गया है। पान के गल्ले चालकों और होलसेलरों में यह समाचार तेजी से फैलने की वजह से अब स्थिति काबू में आए ऐसी संभावना है।

## पश्चिम रेलवे का ई-कैलेंडर 2022 दर्शनशास्त्र के सिद्धांतों के थीम पर आधारित है

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल ने पश्चिम रेलवे के ई-कैलेंडर-2022 तथा क्वालिटी चार्टर का ई-विमोचन किया। इस अवसर पर प्रमुख विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही मंडल रेल प्रबंधकगण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री कंसल ने महामारी के चुनौतीपूर्ण समय के बावजूद कड़ी मेहनत करने के लिए पश्चिम रेलवे के पूरे कार्यबल की सराहना की। उन्होंने ने बीते वर्ष में पश्चिम रेलवे द्वारा हासिल की गई विभिन्न उपलब्धियों की सराहना की और सभी को आने वाले दिनों में भी इस गति को बनाए रखने पर जोर दिया। इसके बाद महाप्रबंधक ने पश्चिम रेलवे के ई-कैलेंडर-2022 का डिजिटल रूप से विमोचन किया। इस वर्ष का पश्चिम रेलवे का कैलेंडर दर्शन के सिद्धांतों के थीम पर आधारित है। ये सिद्धांत हमारे विचारों और कार्यों की प्रेरक शक्ति है। दर्शन के सिद्धांतों में राष्ट्र प्रथम सर्वदा प्रथम, अंत्योदय, सामाजिक समरसता, जीरो टॉलरेंस और हंगरी फॉर कार्गो के सिद्धांत शामिल हैं। डिजिटल कैलेंडर अपने हेरिटेज मुख्यालय भवन के साथ-साथ आधुनिक और अत्याधुनिक केवड़िया स्टेशन, जिसे अब एकता नगर के नाम से जाना जाता है, के साथ-साथ अत्याधुनिक गांधीनगर कैपिटल स्टेशन के माध्यम से पश्चिम रेलवे की शानदार विरासत के साथ-साथ उस के जीवंत भविष्य को प्रदर्शित करता है। एकता नगर स्टेशन ( पहले केवड़िया ) उन्नयन और ढांचागत विकास की दिशा में पश्चिम रेलवे द्वारा तेजी से उठाए गए कदमों का प्रतीक है। इसी तरह गांधीनगर केपिटल स्टेशन रेलवे स्टेशनों को विश्व स्तरीय स्टेशनों में बदलने के लिए भारत सरकार की गहरी रुचि और प्राथमिकता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। गांधीनगर केपिटल स्टेशन को देश का पहला ऐसा स्टेशन होने का गौरव प्राप्त है। इसके अलावा, यह कैलेंडर आधुनिक उन्नत सुविधाओं वाले कोचों जैसे कि तेजस टाइप स्मार्ट कोच के साथ-साथ विस्टाडोम कोच को भी प्रदर्शित करता है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र के साथ प्रेरणादायक रूपांकनों वाला रंगीन कैलेंडर पश्चिम रेलवे की जीवंतता और प्रगतिशीलता का प्रतीक है।

श्री कंसल ने क्वालिटी चार्टर का भी ई-उद्घाटन किया जो गुणवत्ता के सिद्धांतों और इसके विभिन्न पहलुओं का संकलन है। यह चार्टर गुणवत्ता की भावना पैदा करता है और ग्राहकों की संतुष्टि को पूरा करने के लिए नवाचार, उन्नयन और सर्वोत्तम कार्य पद्धति का पालन करने के लिए प्रेरित करता है। महाप्रबंधक ने सभी को पर्यवेक्षण न होने पर भी गुणवत्ता का अभ्यास करने और इस प्रकार से गुणवत्ता को एक आदत बना लेने के लिए आह्वान किया। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इस गुणवत्ता चार्टर को अपने विचारों और कार्यों में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। महाप्रबंधक ने सर्वोत्तम गुणवत्ता सेवाएँ प्रदान करने के दृष्टिकोण के साथ दैनिक कामकाज में गुणवत्ता प्रबंधन के सिद्धांतों को शामिल करने पर भी जोर दिया। कार्य स्थल पर स्वास्थ्य और संरक्षा, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, सर्वोत्तम इकाई लागत, नवाचार और टीम वर्क जैसे गुणवत्ता के विभिन्न मानकों का पूरी लगन और प्रभावी ढंग से पालन किया जाना चाहिए।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95